संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 197
पृष्ठ 8
मंगलवार
08 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सूखे और फटे होंठों के लिए घर पर...

विचार- दिशाहीन भीड़ की मानसिकता...

खेल- चैंपियंस ट्रॉफी से मुझे क्यों ड्रॉप किया...

यूपी में आज 1.6 करोड़ नागरिक पा रहे पेंशन : योगी

गोरखपुर, संवाददाता। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थानों की जिम्मेदारी बनती है कि तकनीक हमसे संचालित हो, हम उससे नहीं। तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है। यह विश्वविद्यालय सतत नहीं समग्र विकास की परिकल्पना को लेकर कार्य कर रहा है। भारतीय मनीषा ने सतत की जगह समग्र विकास की परिकल्पना की थी। उसी समग्रता की झलक यहां देखने को मिल रही है। अगर हमारा पक्ष सतत का होता तो हम किसी एक पक्ष को लेकर काम करते. यह भारतीय दृष्टि है कि हम समग्रता को लेकर आगे बढ़ेंगे। सीएम योगी मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नव नियुक्त शिक्षकों के प्रेरण कार्यक्रम और विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण–शिलान्यास के दौरान संबोधित के रहे थे। उन्होंने कहा कि नए शिक्षकों को इस बात को ध्यान में रखना होगा कि कठिन परीक्षा के बाद उनका चयन हुआ है। जिस कार्य के लिए उनका चयन हुआ है, उसे साबित करना होगा। समग्र विकास की प्रक्रिया का हिस्सा बनकर कार्य करेंगे तो वही आपके लिए अवसर बनेगा। विश्वविद्यालय पर कभी कोई डेंट आएगा तो कोई व्यक्ति उससे बच नहीं पाएगा। विश्वविद्यालय से जुड़ा हर व्यक्ति उन्नति और अवनति से जुड़ा है। आपसी खींचतान के कारण संस्थान की छवि प्रभावित होती है। आज का समय प्रतिस्पर्धा का है। कभी भारत दुनिया में शिक्षा और तकनीक में दुनिया का मार्गदर्शन करता था। हम विश्वगुरु कहलाए। हम लीड कर रहे थे। 10वीं सदी में दुनिया की जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी आधी से अधिक थी। अंग्रेजों ने यहां की अर्थव्यवस्था को कैसे नष्ट किया, ये किसी से छिपा नहीं है। आजादी के बाद 2014 तक भारत केवल 11वीं अर्थव्यवस्था बन सका था। पिछले 10 वर्षों में हर क्षेत्र में काम हुए। अगले दो वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विकास दर दुनिया की दूसरी अर्थव्यवस्था से तेजी से आगे बढ़ रही है। हर भारतीय आज खुद को साबित कर रहा है। यह संभावना पहले भी थी क्योंकि देश वही, संसाधन वही, केवल नेतृत्व बदला और आज भारत को दुनिया की उन ऊँचाइयों तक पहुंचाया जहां लोग ख्वाब देखते हैं। दुनिया के सामने कोरोना का संकट आया। बहुत देशों की हालत खराब हो चुकी थी। भारत में पीएम मोदी के नेतृत्व में पूरा भारत लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाये रखते हुए 140 करोड़ लोगों को फ्री में जांच, उपचार और वैक्सीनेशन कराया। जरूरतमंदों को राशन दिया। याद रखना कोरोना में अवसर दिया जो धैर्य के साथ चुनौतियों का सामना करने वाला निखरता है जो नहीं करता वो बिखरता है। कुछ नयापन करने की सोचें।

● पहले बाबू कट मांगता था...6 माह में मिलते थे– अब खाते में जाता है

लीग से हटकर काम करें। समाज की जरूरत क्या है, उसपर काम करें। यही एक निजी विश्वविद्यालय होता तो फीस देना मुश्किल होता। समाज से पैसा लेकर विभागों को दिया जाता है। बरसात में पानी नदियों के माध्यम से समुद्र में जाता है। फिर समुद्र से वास्प बनकर हर जगह बराबर बारिश होती है। उसी तरह ये सिस्टम है। हमारी जिम्मेदारी भी है समाज के प्रति। आप केवल कैंपस तक सीमित न रहें। आपकी जिम्मेदारी है कि सस्ती तकनीक लोगों के लिए उपलब्ध कराएं। पर्यावरण की चुनौती है। सबके लिए सस्ता आवास उपलब्ध कराएं। तकनीक विकसित करें कि समाज में घट रही सामान्य घटना की जानकारी तुरंत मिले। जरूरत की हर चीज के बारे में जानकारी मिले, लेकिन ये इतनी महंगी न हो कि आम आदमी की पहुंच से दूर हो जाए। क्या हम कोई ऐसी तकनीक विकसित कर सकते हैं कि सरकार से दी जाने वाली राशि में गरीब आदमी मकान बनवा सकें? ईंट भट्टे के पास की जमीन बंजर हो जाती है। वहां का पानी भी गर्म मिलेगा। आसपास के बाग खत्म हो जाते हैं। यह कहीं न कहीं पर्यावरण खराब कर रहा है। हर गांव में पहले खाद का गड्ढा होता था, जो यह बताता था कि सॉलिड वेस्ट को कहां इकट्ठा करना है। सालभर इकट्ठा होने के बाद लोग उसको खेत में डालते थे। अब शहर में डंपिंग ग्राउंड बने। जगह जगह कूड़े के ढेर बन गए। चुनौती आपके सामने है। सिविल के क्षेत्र में सस्ते आवास बनाना आपकी चुनौती है। इसे जल्दी में बनाकर खड़ा कर सकते हैं। हमें थोड़े प्रयास करने होंगे। हर व्यक्ति को अपना आवास चाहिए। ईज ऑफ लिविंग के लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थानों की जिम्मेदारी बनती है कि तकनीक हमसे संचालित हो, हम उससे नहीं। तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है। आज 15 करोड़ लोगों को फ्री में राशन उपलब्ध कराया है। मशीन से उसकी निगरानी कर सकते हैं। आज यूपी में 1. 6 करोड़ नागरिकों को पेंशन दे रहे हैं। पेंशन में से बाबू पहले कट मांगता था, 6 महीने में 1800 मिलते थे. किराया और कट के बाद कुछ बचता ही नहीं था. आज पेंशन सीधे खाते में जा रही है। पहले सभी स्ट्रीट लाइट हैलोजन की रहती थी। इसमें ऊर्जा की खपत भी ज्यादा थी।

जातीय जनगणना नहीं चाहती भाजपा-आरएसएस, लेकिन हम करवा कर रहेंगे : राहुल गांधी

पटना, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के साथ दूसरे दर्जे के नागरिक जैसा व्यवहार किया जा रहा है। पटना में 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' के दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा की 'फर्जी बाधा' को ध्वस्त कर देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित तेलंगाना में की गई कवायद की तरह जाति जनगणना देश के विकास मॉडल को बदल देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लाभ के लिए जाति आधारित जनगणना के माध्यम से भारत का 'एक्स–रे' कराएगी। जातीय जनगणना के जरिए हम आपको सबकुछ दिला सकते हैं। आरएसएस और भाजपा इसे रोकना चाहिए। लेकिन, दुनिया की कोई शक्ति इसे करने से नहीं रोक सकती है। पटना में राहुल गांधी ने कहा कि महागठबंधन बिहार के दलितों, पिछड़ों और महिलाओं के उत्थान के लिए काम करेगा। उन्होंने कहा कि मैं यूपी के सुल्तानपुर गया तो वहां जूते बनाने वाले रामचेत जी से मुलाकात हुई। मैंने 40 मिनट की मुलाकात में देख लिया कि उनमें हुनर की कोई कमी नहीं है। वे हर तरह का जूता बना सकते हैं और वो यह काम 40 साल से कर रहे हैं। रामचेत जी ने बताया कि इन 40 साल में मुझे किसी ने इज्जत नहीं दी, सिर्फ मेरे पिता के अलावा। रामचेत जी ने बताया कि अगर मुझे जूते बनाने वाली मशीन मिल जाए तो मेरा काम डबल हो जाएगा। इस बातचीत के बाद हमने उन्हें एक मशीन दिला दी। कांग्रेस नेता ने कहा कि तीन महीने बाद रामचेत जी ने मुझे फ़ोन किया और बताया कि अब मेरी दो दुकानें हैं और 10 लोग काम करते हैं। मुझे लग रहा है इस मशीन से मैं 4–5 दुकानें खोल पाऊंगा। राहुल ने आगे बताया कि रामचेत जी ने मुझे ये भी बताया कि– श्यूपी सरकार ने मुझे एक बार ट्रेनिंग के लिए बुलाया था। वहां जाकर पता चला कि ट्रेनर से ज्यादा तो मुझे मालूम था। ट्रेनर को कुछ नहीं आता था।श ऐसे में सोचने वाली बात है कि हुनर रामचेत जी के हाथ में है, लेकिन उन्हें ट्रेनिंग कोई और दे रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि रामचेत जी ट्रेनिंग के सिस्टम में ही नहीं हैं और ट्रेनिंग का नेटवर्क किसी और के कंट्रोल में है। वहीं, उन्हें मशीन नहीं मिल रही क्योंकि बैंक का सिस्टम भी किसी और के कंट्रोल में है। मैंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखी और उन्हें सुझाव दिया कि तेलंगाना में लाखों मोची हैं, आप उनसे ट्रेनिंग करवाइए और सर्टिफिकेशन कीजिए। जब वे मोची ट्रेनिंग देंगे तो सरकार उनके अकाउंट में सीधा पैसा डालेगी। राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के कारण शेयर बाजार में भारी गिरावट आई है। यहां एक फीसदी से भी कम लोगों ने अपना पैसा शेयर बाजार में लगाया हुआ है। इसका मतलब है कि शेयर बाजार आपके लिए नहीं है।

अमित शाह ने कठुआ में बीएसएफ जवानों की बहादुरी को सराहा, शहीदों के परिजनों से की मुलाकात

श्रीनगर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कठुआ सीमा चौकी का दौरा किया, जहां उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की। जम्मू–कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर आए शाह ने इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली के कार्यान्वयन सहित उन्नत प्रौद्योगिकियों के साथ सीमा सुरक्षा को आधुनिक बनाने के महत्व पर जोर दिया। कठुआ में 'विनय' सीमा चौकी पर बीएसएफ जवानों से बात करते हुए शाह ने सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जम्मू–कश्मीर सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। गृह मंत्री ने बीएसएफ की उनके अथक परिश्रम, खासकर कठिन परिस्थितियों में, की प्रशंसा की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनके प्रयासों का समर्थन करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि भूमिगत सीमापार सुरंगों का पता लगाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपने (सीमा सुरक्षा बलों ने) विपरीत परिस्थितियों में देश की सेवा की है। हम जो इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली स्थापित करना चाहते हैं, उससे आपको किसी भी घटना की स्थिति में सूचना प्राप्त करने और प्रतिक्रिया करने में मदद मिलेगी और सीमा सुरक्षा मजबूत होगी। शाह की यात्रा के दौरान एक महत्वपूर्ण क्षण सहायक कमांडेंट विनय प्रसाद को श्रद्धांजलि देना था, जिनके नाम पर कठुआ सीमा चौकी का नाम रखा गया है। 15 जनवरी, 2019 को पाकिस्तानी रेंजर्स द्वारा बीएसएफ पार्टी पर की गई गोलीबारी में प्रसाद की दुखद मौत हो गई थी। उस समय तटबंध परियोजना की निगरानी कर रहे अधिकारी ने जवाबी कार्रवाई की, लेकिन उन्हें घातक चोटें आईं। शाह ने शहीद अधिकारी के सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित की और प्रसाद की बहादुरी और अंतिम बलिदान को श्रद्धांजलि दी।

बेगूसराय पदयात्रा में शामिल हुए राहुल, निर्धारित समय से पहले पटना लौटे

बेगूसराय, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बिहार के युवाओं को रोजगार मुहैया कराने में नीतीश सरकार की विफलताओं को उजागर करने और आजीविका की तलाश में होने वाले पलायन पर रोक लगाने के उद्देश्य से जारी 'पलायन रोको नौकरी दो' पदयात्रा में आज बेगूसराय में शामिल हुए। नई दिल्ली से पटना हवाईअड्डा पहुंचने के तुरंत बाद श्री गांधी 'पलायन रोको नौकरी दो' में हिस्सा लेने के लिए बेगूसराय के लिए रवाना हो गए। उन्होंने बेगूसराय में पद यात्रा में हिस्सा लिया, जिसमें हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता खासकर युवा और वरिष्ठ नेता उनके साथ थे। बताया जा रहा है कि श्री गांधी का बेगूसराय में 11 बजे से लेकर 11:45 बजे तक कार्यक्रम निर्धारित था। उन्हें पदयात्रा में शामिल होने के साथ ही नुक्कड़ सभा को भी संबोधित करना था लेकिन वह निर्धारित समय से करीब चार मिनट पहले ही 11.41 बजे पटना के लिए रवाना हो गए।

सुप्रीम कोर्ट वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ याचिकाओं पर समय रहते विचार करने को सहमत

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह 'वक्फ (संशोधन) अधिनियम–2025' की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर समय रहते विचार करेगा। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना तथा न्यायाधीश संजय कुमार और के वी विश्वनाथन की पीठ ने कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और ए एम सिंघवी के शीघ्र सुनवाई के लिए शतकाल उल्लेखश किए जाने के बाद समय रहते याचिका पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। संसद के दोनों सदनों में संबंधित विधेयक पास होने के बाद पांच अप्रैल को नये कानून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मंजूरी मिल गई। वक्फ (संशोधन) विधेयक (संसद के दोनों सदनों में पारित हो गयी था, लेकिन तब राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली थी) की वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं पहले ही दायर की जा चुकी हैं।

याचिकाएं दायर करने वालों में कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी और दिल्ली में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान शामिल हैं।

एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, जमीयत उलमा–ए–हिंद, समस्त केरल जमीयतुल उलमा जैसे संगठनों ने भी शीर्ष अदालत में रिट याचिकाएं दायर की हैं। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि यह अधिनियम मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता को छीनने की एक खतरनाक साजिश है।

मुर्मु दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर लिस्बन पहुंची

लिस्बन, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर रविवार रात पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन पहुंचीं, जहां वह पुर्तगाली नेतृत्व के साथ वार्ता करेंगी। किसी भी भारतीय राष्ट्रपति की पुर्तगाल यात्रा 27 वर्षों के अंतराल के बाद हो रही है, तथा ऐसे समय हो रही है जब भारत और पुर्तगाल अपने राजनयिक संबंधों की पुनः स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। भारत की ओर से पुर्तगाल की अंतिम राजकीय यात्रा 1998 में राष्ट्रपति के.आर. नारायणन ने की थी। श्रीमती मुर्मु की पुर्तगाल यात्रा राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा के निमंत्रण पर हो रही है। श्रीमती मुर्मु अपने समकक्ष राष्ट्रपति डी सूसा से मुलाकात करेंगी और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी। वह प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो और नेशनल असेंबली (संसद) के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइर–ब्रैंको से भी मुलाकात करेंगी।

भारत माता की जय कहने वाले मुसलमानों का संघ की शाखा में स्वागत है: मोहन भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस शाखा में हर किसी का स्वागत है बशर्ते व्यक्ति खुद को भारतीय मानता हो और भारत माता के प्रति सम्मान रखता हो। उन्होंने कहा कि शाखाएं उन सभी का स्वागत करेंगी जो श्भारत माता की जयश नारे और श्भगवा झंडाश का सम्मान करते हैं।

हम आपको बता दें कि मोहन भागवत इस समय वाराणसी के दौरे पर हैं। रविवार को संघ प्रमुख वाराणसी शहर के मलदहिया के लाजपत नगर पार्क में आरएसएस की शाखा में शामिल होने पहुंचे। स्वयंसेवकों ने उनसे सवाल पूछा कि क्या वह अपने मुस्लिम पड़ोसियों को भी शाखा ला सकते हैं? इसका जवाब देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो कोई भी भारत माता की जय कहता है, उसका देश भर की शाखाओं में स्वागत है। हालांकि, उन्होंने कहा कि शाखा उन लोगों के लिए नहीं है जो खुद को औरंगजेब का वंशज मानते हैं। उन्होंने कहा कि शाखा में जाति, धर्म या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता।

कमाई कौड़ियों में, आयकर विभाग के नोटिस करोड़ों में!

– किसान को आयकर विभाग ने थमा दिया 30 करोड़ का नोटिस
– दो साल पहले 14 करोड़ के कारोबार का नोटिस दिया गया था

मथुरा। दो बीघा जमीन पर खेती बाडी कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे किसान को आयकर विभाग करोडों के नोटिस भेज रहा है। दो साल पहले 14 करोड के कारोबार का नोटिस भेजा गया था। अब 30 करोड़ रूपये के कारोबार को बंद लिफाफे में नोटिस थमाया गया है। तीस करोड का नोटिस देख कर किसान की तबीयत बिगड़ कई। जब लोगों को पता चला तो धैर्य बंधाया। किसान अब सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहा है लेकिन कहीं से भी राहत और संतुष्टि वाली कोई बात किसान के पल्ले नहीं पड रही है। हैरान परेशान किसान ने अब पुलिस को अपना दर्द सुनाया है खुद के साथ बारबार हो रहे इस धोखे की जांच की मांग की है।

औरंगाबाद के शांति नगर निवासी सौरभ कुमार पुत्र सुंदर लाल को आयकर विभाग का बंइ लिफाफे में नोटिस मिला। जिसमें 30 करोड के कारोबार पर टैक्स चोरी का आरोप है। दो साल पहले 14 करोड का नोटिस मिला था। सौरभ ने शपथ पत्र देकर और अन्य माध्यमों से अपना पक्ष रख कर किसी तरह पीछा छुडाया था। उस समय सौरभ से कह दिया गया था कि मामला रफादफा हो गया है। इसके बाद वह भी निश्चिंत हो गया। 26 मार्च को एक बार फिर उसके पास आयकार विभाग का नोटिस आया जिसमें 30 करोड के कारोबार पर टैक्स चोरी का आरोप लगाया गया है। इस बार तो उसकी नींद ही उड गई है। सौरव के पिता स्वर्गीय सुंदर लाल की 2012 में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी है। घर में सौरव की मां भगवती देवी, पत्नी जय देवी, भाई राहुल, एक बेटी (2) रहती है। सौरव की शादी एक दिसम्बर 2021 में हुई थी। वह खेती–किसानी करके परिवार का गुजर–बसर करते हैं। सौरव ने बताया कि डाक द्वारा मुझे एक लिफाफा 26 मार्च को मिला। उस समय मैं घर पर नहीं था। शाम को जब मैं घर आया, तब मैंने लिफाफा खोला। तो उसमें आयकर विभाग का एक नोटिस मिला। जिसे पढ़ने पर पता चला कि मेरा पैन कार्ड पर किसी ने दो फर्म बना रखी हैं। इन कंपनियों में 30 करोड़ का लेने देन किया गया है। मैंने अपना पैन कार्ड 2012 में बनवाया था। उसी से किसी आदमी ने फर्जी जीएसटी नंबर लेकर व्यापार किया है। जिससे करीब 30 करोड़ 38 लाख 90 हजार 160 रुपए (30.38,90,160 रुपये) का लेन देन किया गया है। जिसकी नोटिस मेरे घर पर मेरे नाम की आई है। पता करने पर दोनों फर्म के बारे में पता चला। एक फर्म कविता इंडस्ट्रीज और दूसरी हर इंटरप्राइजेज है। सौरव ने बताया 2022 में उन्हें 14 करोड़ का नोटिस मिला था। जिसका वह जबाब दे चुके थे और उन्होंने समझा कि मामला खत्म हो गया। अब इस नोटिस की शिकायत मैंने सदर थाना एसपी सिटी से शिकायत की है।

एकतरफा है ट्रंप का नजरिया, हमें बचानी होगी अपनी जमीन

प्रयागराज। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई जैसे को तैसा शुल्क (रेसिप्रोकल टैरिफ) नीति की घोषणा से वैश्विक बाजार में उथल–पुथल मची हुई है। अमेरिका के बड़े कारोबारी साझेदार देशों जैसे चीन, कनाडा, मैक्सिको, वियतनाम, दक्षिण अफ्रीका, जापान आदि पर प्रत्यक्ष असर की बात कही जा रही है वहीं भारत को लेकर अभी विशेषज्ञ कुछ भी साफतौर से कहने से कतरा रहे हैं। पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी अमेरिकी राष्ट्रपति की नीति को लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के बीच चर्चा और तमाम तरह की आशंकाएं हैं। प्रयागराज में ट्रिपलआईटी के छात्र भी वैश्विक परिदृश्य पर नजर बनाए हुए हैं। अखबार ने इसी विषय पर भावी टेक्नोक्रेट्स की राय जानी। संस्थान के शिक्षकों और छात्र–छात्राओं का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप साहसी और चौंकाने वाले निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। चूंकि यह मामला पूरी तरह से व्यापार से जुड़ा है तो भारत को अपने आर्थिक हितों पर खासतौर से ध्यान देने की जरूरत है। किसी भी वैश्विक उठापटक से सुरक्षित बचने के लिए हमें अपने घरेलू, कुटीर और लघु उद्योगों को मजबूत करने की आवश्यकता है।

अमेरिकी राट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर ट्रिपलआईटी के छात्र–छात्राओं का मानना है कि इसका असर ज्वेलरी, गोल्ड, सी–फूड, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल सहित शेयर बाजार पर पड़ना तय है। लघु उद्योग एवं निर्यात भी प्रभावित होंगे। इसे चुनौती के रूप में लेते हुए हमें इससे निपटने के लिए व्यापक रणनीति बनाकर घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने का काम करना होगा। कहा जा रहा है कि टैरिफ में बदलाव का भारत पर उतना व्यापक असर नहीं होगा। भारत इसे अवसर के रूप में ले और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देकर उत्पादन क्षमता को विकसित करे। घरेलू उत्पादन बढ़ने पर हमारा आयात कम होगा और स्वदेशी को बढ़ावा मिल सकेगा। तकनीकी छात्र–छात्राओं का मानना है कि इससे देश में नये–नये उद्योग स्थापित हो सकेंगे और मेक इन इंडिया को भी बढ़ावा मिल सकेगा। अमेरिकी नीतियों को लेकर जहां दूसरे देश मुखर हैं वहीं भारत ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। लोगों का मानना है कि अमेरिकी नीति के कारण दूसरे देश भारत में व्यापार के लिए आकर्षित होंगे और देश में निवेश भी बढ़ सकता है।

लोग यह भी मानकर चल रहे हैं कि अभी स्थिति स्पष्ट न होने के कारण पूरे मामले की व्यापक समीक्षा करनी होगी, इंतजार भी करना पड़ेगा। भारत को बातचीत के जरिए इसके समाधान तलाशने होंगे। अमेरिकी सरकार की नई टैरिफ नीति वैश्विक सप्लाई चेन की मौजूदा व्यवस्था में भी भारी अस्थिरता फैला सकती है। आयात–निर्यात एवं शेयर बाजार में भी अस्थिरता देखने को मिल सकती है। भारत को इस नये हालात में भी अपने लिए अवसर तलाशने होंगे। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में काम करते हुए भारी उद्योगों को बढ़ावा देकर उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगी ताकि आयात कम किया जा सके और घरेलू उत्पादों को बाजार मिल सके। साफतौर पर लोगों का मानना है कि हमें अमेरिका पर पूरी तरह से निर्भर रहने की बजाय दूसरे विकल्प भी तलाशने होंगे। लोग पूरी तरह से आशान्वित हैं कि आरबीआई के रेपो रेट कम होंगे और बैंकों के पास पर्याप्त धनराशि होने के कारण बड़े पैमाने पर उद्योग स्थापित हो सकेंगे।

समस्या आ चुकी है और हमें अब इसका समाधान तलाशना होगा। एक जनपद–एक उत्पाद जैसी नीतियों को बढ़ावा देने के साथ ही भारी उद्योगों की स्थापना कर उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगी ताकि प्रतिभाओं के पलायन को रोका जा सके। देश में संसाधनों और प्रतिभाओं की कमी नहीं है। पूरे विश्व में भारतीय उत्पादों की खासी मांग है।

डॉ. प्रज्ञा सिह, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन, ट्रिपलआईटी

नई टैरिफ नीति से कई उत्पादों के दामों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। आईटी कंपनियों पर भी इसका असर पड़ना तय है। इस टैरिफ पर विचार करने की आवश्यकता है।––अंकिता तिवारी, एमबीए प्रथम वर्ष

अन्य देशों की भांति भारत में भी इसका असर पड़ सकता है। आयात–निर्यात होने वाले उत्पादों पर इसका असर पड़ने की संभावना है। इसका असर भारतीय रुपये पर भी पड़ सकता है।–शिवांश मिश्रा, एमबीए प्रथम वर्ष

टैरिफ बढ़ने से यूएस की कंपनियां भारत में निवेश करेंगी। ड्यूटी फ्री उत्पाद पर भी टैरिफ लग जाएगा। यह एक रिटेलिएशन टैरिफ है। भारत के लिए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का भी अवसर है।–मनु मिश्रा, छात्र

अमेरिका ने ट्रैरिफ बढ़ाए हैं। चूंकि भारत यूएस को निर्यात करता है। इससे हमारे उत्पाद अमेरिकी बाजार में और महंगे होने की संभावना है। इससे प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है।–प्रशांत, एमबीए प्रथम वर्ष

जो टैरिफ लगाए गए हैं उसका कई देशों पर असर पड़ेगा। आयात–निर्यात करने वाले अन्य देशों पर इसका असर देखने को मिल सकता है। वहीं भारत के आत्मर्निभरता की ओर बढ़ने के अवसर भी हैं।–वंदिता मिश्रा, एमबीए प्रथम वर्ष

टैरिफ के नकारात्मक और सकारात्मक दोनों ही पहलू हैं लेकिन भारत के लिए टेक्सटाइल्स समेत अन्य सेक्टर में अच्छा करने का मौका भी है। अमेरिका की नई नीति का असर सभी देशों पर पड़ेगा।–प्रियांशी यादव, एमबीए प्रथम वर्ष

यूएस ने चीन, जापान, दक्षिण कोरिया समेत अन्य देशों पर जो टैरिफ लगाया है उससे इन देशों के लिए यूएस को निर्यात करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। भारत को भी अपनी नीतियों में बदलाव करना होगा।–आलोक सिंह, बीटेक द्वितीय वर्ष

टैरिफ का असर शेयर बाजार में दिख रहा है। निफ्टी–बीएसई में भी अभी गिरावट देखने को मिली है। टैरिफ का वैश्विक स्तर पर असर देखा जा रहा है। देश की मुद्रा के मजबूत होने की भी संभावना है।–– तनीशा, छात्रा

ट्रंप की नई नीति से कनाडा, चीन, जापान जैसे देशों को वहां निर्यात करना मुश्किल होगा लेकिन भारत के लिए हालात उतने खराब नहीं हैं। हमें दूसरों देशों से व्यापार बढ़ाकर नुकसान कम कर सकते हैं।––सुरुचि कुमारी, एमबीए प्रथम वर्ष

यह समय अपने घरेलू उद्योगों, खासकर लघु और कुटीर उद्योगों को मजबूत करने और अमेरिका के विकल्प के तौर पर दूसरे देशों के साथ व्यापार बढ़ाने का है। भविष्य में यह देश के लिए बेहतर हो सकता है।––कोमल तिवारी, एमबीए प्रथम वर्ष

ट्रंप की टैरिफ नीति का अल्प समय में इतना असर नहीं पड़ने के आसार हैं लेकिन आगे चलकर इसका असर देखने को मिल सकता है। भारत आत्मनिर्भर बने तो यह अपने देश के लिये लाभकारी साबित होगा।––अनुराग कश्यप, एमबीए द्वितीय वर्ष

अमेरिकी टैरिफ नीति में बदलाव से वैश्विक बाजार में हलचल मची हुई है। इस असर भारत से निर्यात होने वाले ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों और दवा के कारोबार पर देखने को मिल सकता है।– मेधा केसरवानी, छात्रा

भारत को चीन की अपेक्षा ज्यादा लाभ मिलने की संभावना है। आरंभ में नुकसान हो सकता है लेकिन लंबे समय के लिए यह टैरिफ नीति भारत के लिए लाभकारी होगा। भारत में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ेगी।––शुभम केसरी, शोध छात्र

ट्रंप ने अपने चुनावी वादे को पूरा करने के लिए आक्रामक तरीके से ट्रैरिफ नीति लागू की है, इस असर आने वाले समय पर अमेरिका पर ही अधिक पड़ेगा। हम अन्य देशों के साथ कारोबार बढ़ाकर इससे उबर जाएंगे।––शताब्दी सोनकर, शोध छात्रा

वर्तमान में दुनियाभर के शेयर बाजारों में भारी उथलपुथल मची है जिसका असर भारत में भी दिख रहा है लेकिन आने वाले समय में दूसरे देश भारत के साथ कारोबार बढ़ाएंगे जिससे हमें फायदा होगा।––रचित द्विवेदी, शोध छात्रा वित्त

अल्प समय में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल सकता है। निर्यात पर असर देखा जा सकता है लेकिन आने वाले समय में देश को इसका लाभ मिलता दिखाई देने की संभावना है। आने वाले समय में भारत आत्मनिर्भर भी होगा।––हर्षिता तिवारी, शोध छात्रा

टैरिफ का असर निर्यात क्षेत्र में हुआ है। जो पूंजी लगा रहे हैं उन पर इसका असर पड़ सकता है। इसे दूर करने का तरीका यह है कि अपने उत्पादों को बढ़ायें और बनायें। उसका प्रचार–प्रसार भी अच्छे तरीके से किया जाए। –प्रगति यादव, शोध छात्रा

मुझे तो लगता है कि ट्रंप की नीति का असर वहां के लोगों पर अधिक होगा क्योंकि भारत भी वहां के उत्पादों पर टैक्स बढ़ाएगा जिससे वहां के उत्पादों की कीमत बढ़ेगी और उनका कारोबार धीरे–धीरे कम होगा।––कशिश सोनकर, शोध छात्रा

प्रवेश के समय ही बच्चे और माता-पिता का आधार करें सत्यापित

प्रयागराज। परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में प्रवेश के समय ही बच्चों और उनके माता–पिता/अभिभावकों के आधार पोर्टल पर सत्यापित करने के निर्देश दिए गए हैं। शैक्षणिक सत्र 2025–26 में प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण (डीबीटी) के लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार

तिवारी ने सभी खंड शिक्षाधिकारियों को निर्देशित किया है। लिखा है कि निःशुल्क यूनीफॉर्म, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता–मोजा एवं स्टेशनरी क्रय के लिए धनराशि मुख्यमंत्री डीबीटी के माध्यम से सीधे छात्र–छात्राओं के माता/पिता/अभिभावकों के खाते में हस्तान्तरित करेंगे। इसके लिए प्रोन्नत छात्रों का डाटा डीबीटी पोर्टल पर शत–प्रतिशत विद्यालय एवं बीईओ स्तर से दो दिन के अंदर सत्यापित करें। जिन विद्यालयों के छात्रों का आधार नहीं बना है उस विद्यालय में एक अध्यापक को नोडल नामित करते हुए आधार बनवाने के लिए निर्देशित करें। नव प्रवेशित बच्चों का डाटा निर्धारित गूगल/एक्सेल शीट पर प्रत्येक दिन शाम चार बजे तक अनिवार्य रूप से भरें।

किस शहर में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा, वेबसाइट पर देखें छात्र

प्रयागराज। अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर (विज्ञापन संख्या–51) के 1017 पदों के लिए 16 एवं 17 अप्रैल को प्रस्तावित भर्ती परीक्षा में किस अभ्यर्थी को किस शहर में केंद्र आवंटित हुआ इसकी सूचना सोमवार को वेबसाइट

ीजजचेरू//नचीमेब51.बवउ/ पर अपलोड कर दी गई। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से परीक्षा से तीन दिन पहले प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा। परीक्षा दो पालियों सुबह 9रू30 से 11रू30 बजे तक तथा दोपहर 2.30 से 4.30 बजे तक कराई जाएगी। इसके लिए आगरा, मेरठ, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर और वाराणसी में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

महाकुम्भ के दौरान चोरी की गई बाइक के साथ शातिर गिरफ्तार

प्रयागराज। नैनी थाने की पुलिस ने चोरी की बाइक संग एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया। आरोपी ने महाकुम्भ मेला के दौरान कनैला देवरख नैनी के समीप से बाइक चोरी की थी। पुलिस के अनुसार ममता देवी पत्नी धर्मेंद्र कुमार सिंह निवासी देवरख कनैला महादेव नगर ने नैनी थाने में 17 फरवरी को बाइक चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया था। ममता देवी के अनुसार वह अपने पति के साथ महाकुम्भ मेला में स्नान करने गई थी। उनकी बाइक कनैला देवरख नैनी के समीप खड़ी थी। लेकिन, वापस लौटने पर बाइक नहीं मिली। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शातिर चोर अविनाश कुमार निवासी नैनी अरैल घाट के समीप गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी की गई बाइक भी बरामद की गई।

साहब! एक नहीं., दो गोली चलने की सुनी है आवाज...खिड़की के शीशे भी टूट गए

प्रयागराज। साहब! एक नहीं., दो गोली चलने की आवाज सुनी है... तेज आवाज से खिड़की के शीशे भी टूट गए। मैं ठीक से चल नहीं पाती हूं, लेकिन तेज आवाज सुनकर कमरे की तरफ भागी। देखा कि इंस्पेक्टर साहब अपने बेड पर खून से लथपथ हैं। चारों तरफ खून ही खून फैला है।

साहब! एक नहीं., दो गोली चलने की आवाज सुनी है... तेज आवाज से खिड़की के शीशे भी टूट गए। मैं ठीक से चल नहीं पाती हूं, लेकिन तेज आवाज सुनकर कमरे की तरफ भागी। देखा कि इंस्पेक्टर साहब अपने बेड पर खून से लथपथ हैं। चारों तरफ खून ही खून फैला है। प्रत्यक्षदर्शी नूरी ने यह बात पुलिस को बताई। घटनास्थल से पुलिस को एक ही खोल बरामद हुआ है।

प्रत्यक्षदर्शी के बयान के बाद पुलिस की एक टीम अच्छे से पूरे कमरे की तलाशी ली। पाया कि एक गोली मिस हो गई है। जबकि दूसरी गोली गले के नीचे से चीरती हुई सिर के ऊपरी हिस्से से आरपार हो गई। इसके बाद गोली कमरे में लगे पंखे के पास छत पर जा लगी। जिससे उतनी दूर का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया है। इलाके के लोगों ने बताया कि पिछले कई साल से इंस्पेक्टर तरुण का यहां आना जाना रहता था।

आखिर व्हाट्सएप पर

किसको भेज रहे थे रिकॉर्डिंग

पुलिस ने पाया कि तरुण के दोनों पैर बेड के नीचे थे। पास में ही लाइसेंसी राइफल पड़ी थी। जबकि एक हाथ में उनका मोबाइल था। जिसमें दिख रहा था कि वह किसी को वाइस रिकॉर्डिंग करने जा रहे थे। लेकिन, वह किसको चौटिंग और वाइस रिकॉर्डिंग भेज रहे थे। यह पता नहीं चल पाया है। मामले में पुलिस भी कुछ बताने को तैयार नहीं है।

चेहरा पहचानना हुआ मुश्किल

इंस्पेक्टर तरुण का चेहरा पहचानना मुश्किल हो रहा था। क्योंकि, गले में गोली लगने के बाद सिर से पार हो गई थी। इससे उनकी आंखे तक बाहर आ गई थी। एसीपी कर्नलगंज राजीव यादव ने बताया कि हर पहलुओं पर जांच की जा रही है।

मोबाइल से खुलेगा आत्महत्या का राज

पुलिस ने मृतक के मोबाइल को कब्जे में ले लिया है। पुलिस की एक टीम पता लगाने में जुटी हुई है कि आखिर किन कारणों से तरुण ने खुद को गोली मारी है। बताया गया कि पत्नी और बेटा बंगलूरू से प्रयागराज के लिए देर–रात को रवाना हो गए हैं। सोमवार को परिवार प्रयागराज पहुंचेगा।

एयरफोर्स सीडब्ल्यूई हत्याकांड : परत–दर–परत हत्याकांड की तफ्तीश करेगी एसआईटी

प्रयागराज। एयरफोर्स के कमांडर वर्क्स इंजीनियर (सीडब्ल्यूई) एसएन मिश्रा की हत्या की जांच एक बार फिर शुरू हो गई है। एसआईटी जल्द ही घटनास्थल का अवलोकन करने के साथ ही मृतक के परिजनों व विभागीय कर्मचारियों से पूछताछ करेगी। इसके साथ ही हत्यारोपी को भी रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की तैयारी में जुटी है। एसआईटी टीम वारदात की परत दर परत पड़ताल करेगी। बिहार के करगहर रोहतास कोचस प्रखंड के हरिनाथपुर निवासी सीडब्ल्यूई एसएन मिश्रा की 29 मार्च की भोर में बमरौली स्थित मध्य वायु कमान के हाई सिक्योरिटी परिसर के अंदर स्थित आवास में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने हत्यारोपी सौरभ पासी सहित उनके पिता शिवकुमार व माता सुनीता को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा किया था। वहीं जेल में बंद हत्यारोपी सौरभ के बड़े भाई गौतम को भी साजिश में शामिल होने पर नामजद किया गया है।

हालांकि पुलिस के खुलासे पर संदेह व्यक्त करते हुए मृतक की पत्नी वत्सला मिश्रा ने मुख्यमंत्री से मिलकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी। शासन के निर्देश पर गठित एसआईटी टीम हत्याकांड की पड़ताल में जुट गई है। टीम में आईजी रेंज प्रयागराज प्रेम कुमार गौतम, एडीसीपी कानून व्यवस्था डॉ. अजयपाल शर्मा व एसीपी धूमनगंज अजेंद्र यादव शामिल हैं।

फिर से क्राइम सीन देखेगी टीम

सीडब्ल्यूई एसएन मिश्रा की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए लूट में नाकाम होने पर गोली मारने की बात कही थी। हालांकि मृतक की पत्नी का कहना है कि हत्यारोपी ने पहले डोरबेल बजाई, फिर दरवाजे का लॉक तोड़ने की कोशिश की। इसके बाद वह आवास के पिछले हिस्से में खिड़की पर घात लगाकर खड़ा हो गया था। जैसे ही एसएन मिश्रा ने खिड़की खोलकर झांकने की कोशिश, वैसे ही हत्यारोपी सौरभ पासी पिस्टल से गोली मारकर फरार हो गया। ऐसे में संदेह है कि सौरभ लूट व चोरी की नीयत नहीं बल्कि हत्या करने की मंशा से ही आया था। एसआईटी टीम घटनास्थल पर एकबार फिर क्राइम सीन को दोहरा कर गहनता से जांच करने की तैयारी में जुटी है।

एयरफोर्स के सीडब्ल्यूई की हत्याकांड की गहनता से पड़ताल की जा रही है। मृतक के परिजनों व विभागीय कर्मचारियों से भी जानकारी ली जाएगी। हत्यारोपी व साजिशकर्ता से भी पूछताछ कर मामले की पड़ताल की जाएगी। – डॉ अजयपाल शर्मा, एडीसीपी प्रयागराज।

आंतरिक परीक्षा न देने वाले वाह्य में 40 अंक पर होंगे पास

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) एवं संबद्ध कॉलेजों में सेमेस्टर प्रणाली में आंतरिक परीक्षा में शामिल न होने वाले एंड सेमेस्टर परीक्षा (वाह्य) 40 अंक पाने पर ही पास होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सेमेस्टर परीक्षा के मूल्यांकन में अहम बदलाव किया है। अब 100 अंक के प्रश्न पत्र में 33 के बजाय 40 अंक पाने वाले विद्यार्थी ही उत्तीर्ण होंगे। सेमेस्टर प्रणाली में एक पेपर की परीक्षा 100 अंक की होती है, इसमें 60 अंक की वाह्य और 40 अंक की आंतरिक परीक्षा होगी। एक सेमेस्टर में छात्रों को कम से कम दो आंतरिक परीक्षाएं देनी होगी। एक पेपर में 60 अंक की वाह्य परीक्षा में 24 और 40 अंक की आतंरिक परीक्षा में 16 अंक पाने वाले विद्यार्थी पास होंगे। यदि किसी कारण से विद्यार्थी आंतरिक परीक्षा में शामिल नहीं हो सका है और वह 60 अंक की वाह्य परीक्षा में 40 अंक प्राप्त कर लेता है वह पास माना जाएगा।

संचिता त्रिपाठी, आर्या राजपूत, श्वेता सिंह, सुश्री रणजीत एवं आशीष पाल उत्कृष्ट सांसद

प्रयागराज। संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में यूइंग क्रिश्चियन कॉलेज में जोनल स्तरीय राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन के टुकर हाल में किया गया। एकल प्रदर्शन के आधार पर अध्यक्ष संचिता त्रिपाठी, प्रधानमंत्री आर्या राजपूत, विपक्ष की नेता श्वेता सिंह, वित्त मंत्री सुश्री रणजीत एवं प्रश्न काल में प्रश्न पूछने वाले सांसद आशीष पाल को उत्कृष्ट सांसद के रूप में चुना गया। कार्यक्रम में फूलपुर लोकसभा सांसद श्री प्रवीण पटेल, चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के रजिस्टर प्रो सुरेश प्रसाद सिंह एवं एमएनएनआईटी के प्रो अनुभव रावत निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। युवा संसद में अध्यक्ष, प्रधानमंत्री एवं विपक्ष के नेता सहित कुल चालीस विद्यार्थियों ने युवा सांसद के रूप में प्रतिभाग किया।

एक घंटे की प्रतियोगिता में युवा सांसदों ने नए सदस्यों का शपथ, नए मंत्रियों का परिचय, प्रश्नकाल, विशेषाधिकार उल्लंघन, विभिन्न विषयों से संबंधित बिल प्रस्तुत करना एवं प्राइवेट मेंबर बिल जैसे कई कार्यवाहियों का सजीव रूपण किया। युवा संसद के प्रधानमंत्री के रूप में आर्या राजपूत ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 के निष्प्रभावी होने के बाद की परिस्थितियों से संसद को अवगत कराया एवं विश्वास दिलाया कि जम्मू एवं कश्मीर अपने ऐतिहासिक विकास यात्रा पर अग्रसर है। विपक्ष की सदस्य निहारिका पांडे ने विदेशों में पढ़ने वाले छात्रों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार पर सदन का ध्यान आकृष्ट किया। इसके उत्तर में युवा संसद की विदेश मंत्री ने संसद को विश्वास दिलाया कि भारत सरकार विदेशों में पढ़ रहे सभी विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। संसद सदस्य हिमांशी ने केरल में आई भीषण बाढ़ की तरफ सदन का ध्यान आकृष्ट कराया एवं सरकार पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। जवाब में युवा संसद की गृहमंत्री प्रज्ञा तिवारी ने कहा कि यह समय एक दूसरे की आलोचना करने का नहीं है बल्कि मिलकर केरल की जनता का सहयोग करने का है। उन्होंने केरल सरकार से भारत सरकार

द्वारा बनाए गए आपदा प्रणाली के बेहतर उपयोग का निवेदन किया। संसद के अंतिम सत्र में सांसद हर्षिता तिवारी ने पास्को एक्ट में संशोधन के लिए प्राइवेट मेंबर बिल प्रस्तुत किया जिसे सरकार ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद सदन की कार्यवाही अगले दिन के लिए स्थगित कर दी गयी। निर्णायक सदस्य फूलपुर सांसद श्री प्रवीण पटेल ने सांसद प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनसे राजनीति में अपना करियर बनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि एक राजनेता को क्षेत्र की सभी समस्याओं को जानकर एवं समझकर बहुत कम समय में संसद में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना होता है। इस तरह की प्रतियोगिताएं भविष्य में चुने जाने वाले सांसदों को तकनीकी रूप से समृद्ध करेगी। प्रतियोगिता के समन्वयक प्रो सुरेश प्रसाद सिंह जी ने युवा संसद की विभिन्न कार्यवाहियों में सुधार के बारे में चर्चा किया।

उन्होंने कहा कि जो संस्था कानून बनाने का कार्य करती है उसके कार्यप्रणाली को समझना बहुत ही आवश्यक है। डॉ अभिनव रावत ने प्रतिभागियों को अगले राउंड के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ई सी सी के प्राचार्य प्रो मोजेज ने संसदीय कार्य मंत्रालय को धन्यवाद देते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ प्रेम प्रकाश सिंह ने आशा व्यक्त किया कि चुनी हुई टीम राष्ट्रीय स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता के लिए चयनित होगी। कार्यक्रम में ऑक्टा अध्यक्ष प्रो उमेश प्रताप सिंह, प्रो विद्यापति,प्रो अशोक कुमार पाठक, प्रो के एल पांडेय, प्रो सोनाली चतुर्वेदी सहित कई शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

संस्कृत भाषा में धर्म, कर्म के मर्म का बोध-डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी

प्रयागराज। संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा शनिवार को विभाग में संस्कृत शास्त्र विषयक विशिष्ट संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें संवादकर्ता अतिथि के रूप में पधारे पं. दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के संस्कृत विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर , भागवताचार्य, सुकवि डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी ने कहा कि

संस्कृत भाषा में मानव जीवन के उत्थान एवं नैतिक विकास का प्राणतत्व समाहित है। धर्म, कर्म के मर्म का सम्यक ज्ञान कराने वाली संस्कृत भाषा देवत्व से पूर्ण है। डॉ. त्रिपाठी ने अपनी संस्कृ त कविता का सस्वर पाठ कर सभी को रससिक्त किया। संस्कृत विभागाध्यक्ष, डीन कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि संस्कृत भाषा सत्य सनातन मूल्यों की संवाहिका है। संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य, समन्वयक, उपकुलानुशासक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने कहा कि संस्कृत भारतीय ज्ञान परम्परा को समृद्ध करने वाली प्राच्यभाषा है। संस्कृत विभाग के अतिथि प्रवक्ता, कार्यक्रम संचालक डॉ.पीयूष मिश्र ने कहा कि संस्कृत भाषा का अध्ययन, पारायण बौद्धिक गौरव की अनुभूति कराता है। डॉ. पीयूष ने भी स्वरचित गीतिकाव्य की प्रस्तुति देकर आह्लादित किया। अतिथि प्रवक्ता डॉ. प्रिया झा ने कहा संस्कृत में संस्कृति की छाया दिखती है। डॉ. प्रिया की काव्यात्मक प्रस्तुति स्तुत्य रही।इस संवादी विमर्श में संस्कृत विभाग के शोधच्छात्र अनन्तजी मिश्र, नितिन त्रिपाठी, अंजलि गिरि, संदीप दुबे, आदित्यराज गिरि, सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे। शोधार्थिणी शिखा श्रीवास्तव ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर दिया पोस्टर द्वारा संदेश

मुजफ्फरनगर। शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय मेरठ में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर छात्राओं द्वारा अच्छे स्वास्थ्य पर पोस्टर द्वारा संदेश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ कुमकुम जंतु विज्ञान विभाग एवं डॉ

गौरी, गृह विज्ञान विभाग द्वारा किया गया। छात्राओं ने सही पोषण, सही स्वास्थ्य, पौष्टिक आहार, पोषक तत्व आदि विषय पर सुन्दर सुन्दर पोस्टर बनाए। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो अंजू सिंह ने सही आहार लेना क्यों आवश्यक है, इसके बारे में बताया। गृह विज्ञान विभाग से डॉ गौरी ने छात्राओं को अच्छे स्वास्थ्य का महत्व बताया। उन्होंने बताया कि अच्छा स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है, सभी को अपने स्वास्थ्य की हमेशा रक्षा करनी चाहिए।

बलदेव में देवी माता विसर्जन शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु, भजनों की धूम पर झूमे श्रद्धालु

बलदेव। मां भगवती भक्त मंडल के तत्वाधान में नीवरी रोड पर देवी माता के पंडाल से देवी माता विसर्जन शोभायात्रा निकाली

गई। श्रद्धालु देवी माता के विभिन्न भजनों पर झूम उठे। महिलाएं व पुरुष युवतियां श्रद्धालु नाचते गाते नजर आएं। विसर्जन शोभायात्रा नगर परिक्रमा करते हुए निकलीं। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत हुआ। यमुना घाट पर माता को विदाई दी गई। काफी श्रद्धालुओं की आंखों में अश्रु धारा बहने लगी। इस दौरान सोनू अग्रवाल, मोनू अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, चिराग तिवारी, करन अग्रवाल, प्रियांशु पाठक, दाऊ गोयल, सर्वेश तिवारी, बलराम पांडेय, बंटू संत, शिव कुमार तिवारी, दिलीप वर्मा, डौली वर्मा, प्रीति, निम्मी वर्मा, स्नेह पाठक, पूनम अग्रवाल, ललिता बंसल, प्रियंका उपाध्याय, रश्मि, गुंजन व्यास, लज्जा पांडेय, उर्मिला, सपना वर्मा आदि थे।

प्रयागराज के संगम तट पर हुई बैठक में प्रकाशकों ने किया विचार विमर्श

प्रयागराज। संगम नगरी तीर्थराज प्रयाग में आज प्रकाशक बंधुओं से वर्तमान परिदृश्य में छोटे व मझौले अखबारों पर आ रहे संकट के संबंध में आल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज पेपर फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव अशोक कुमार नवरतन एवं प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष शर्मा तथा फेडरेशन के सदस्य अनिल त्रिपाठी परवेज आलम, सतीश मिश्रा, कमल श्रीवास्तव की उपस्थिति में विचार विमर्श हुआ। सभी ने संगम के तट पर निश्चय किया कि भारत सरकार की दमनात्मक कार्यवाही का कड़ा विरोध किया जाएगा । सरकार द्वारा छोटे एवं मझोले अखबारों को आग की भट्टी में डालने की साज़िश नये कानून के माध्यम से जो रची गई है इसका विरोध सभी प्रकाशक दिल्ली में एक मंच से करेंगे और इस काले कानून को वापस करने के बाद ही आंदोलन समाप्त होगा। सभी प्रकाशकों ने एक मत से अपनी सहमति व्यक्त की और आगे के आंदोलन की रूप रेखा तय की गई। अतिशीघ्र नई दिल्ली में समाचार पत्रों के संगठनों की बैठक बुलाई जा रही है जिसमें आंदोलन की रूप रेखा तय की जाएगी। प्रयागराज मंडल के शहर समता के संपादक उमेश श्रीवास्तव,इलाहाबाद एक्सप्रेस के संपादक अरुण सोनकर,सहज स्वराज के संपादक, कमलेश मिश्रा,इलाहाबाद उजाला के संपादक बलराम शुक्ला,आजकल की तस्वीर से अरविंद पाण्डेय, वाइस आफ इलाहाबाद से संदीप तिवारी,लक्ष्य समग्र से कुश द्विवेदी जन श्रुति टाइम से अमरदीप चौधरी आदि संपादक भी उपस्थित रहे।

न सुनता हूँ, न कहता हूँ, न कुछ करता हूँ, मैं वन विभाग हूँ...???

शुक्रताल मार्ग किनारे लगी हरियाली मे आग, जल रहे पौधे, दिव्य हुआ वन विभाग

मोरना। पर्यावरण को हरा भरा व सुन्दर बनाने को लेकर शासन प्रशासन द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। पर्यावरण को हरा भरा रखने के लिए मार्गो के किनारे पेड़ लगाकर हरियाली को बढ़ाने के प्रयास बहुत समय पूर्व से किये गये। जिसका उदाहरण मार्गो के किनारे खडे पुराने पेड़ हैं। उस समय इनकी ज़रूरत राहगीरों को ठंडी छाँव देने के लिए थी। आज इन पेड़ो की ज़िम्मेदारी सड़को पर दौड़ते हज़ारो वाहनों के साइलेंसर से निकलते गर्म धुँए के कारण बढ़ती गर्मी को कम करना भी है। गर्म हवा लेकर इंसानो को ठंडी हवा देने का

निरूस्वार्थ पुनीत कार्य यह पेड़ कर रहे हैं। किन्तु इनका संरक्षण नहीं के बराबर है।जिस कारण वृक्षों की संख्या मे लगातार कमी हो रही है।और पेड़ लगाने की मुहीम संरक्षण न होने के कारण लापरवाही की भेंट चढ़ रही है।'

'मोरना – शुक्रताल मार्ग व भोपा क्षेत्र मे नहर पटरी मार्ग पर खड़ी हरियाली मे आग कैसे लग रही है।आग लगने के बाद उसे बुझाने का प्रयास क्यूँ नहीं किया जाता है कहीं लकड़ी माफियाओ की साजिश तो नहीं??'

'सड़क किनारे मौजूद हरियाली मे लग रही आग को अनदेखा करना एक बड़ी लापरवाही है। आग मे जलकर समाप्त होती हरियाली पर्यावरण के लिये खतरा है। गंग नहर

मोरना में सड़क किनारे तो भोपा में नहर पटरी किनारे लगी आग में जल रही हरियाली, पर्यावरण को हो रहा भारी नुकसान

पटरी किनारे लगी आग मे पक्षीयों के खोसले तक जल गये तथा हरियाली पर निर्भर अन्य जीवो का जीवन भी खतरे मे आ गया है। क्षेत्र के हरियाली को बरकरार रखने के लिए लगी आग रोकने के प्रति गंभीर होने की आवश्यकता है।'

संस्कार भारती प्रयागराज महानगर का 'मंगलम' कवि-सम्मेलन

प्रयागराज। नव-संवत्सर 2082 शसिद्धार्थी के पावन-पुनीत अवसर पर संस्कार भारती प्रयागराज महानगर द्वारा चीनी धर्मशाला में वरिष्ठ कवि ई. जनकवि प्रकाश की अध्यक्षता में श्मंगलमश कविसम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति माननीय सुधीर नारायण ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंनें अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कार भारती अपने सांस्कृतिक एवं साहित्यक कार्यक्रमों से जहाँ एक ओर समरसता का संदेश देती है वहीं कलाकारों को एक सम्मानजनक मंच प्रदान कर उनमें उनमें उमंग-उत्साह का संचार भी करती है। इससे पूर्व संस्था की महामन्त्री विभव शंकर मिश्र मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष को तथा मुख्य अतिथि ने समस्त कविगण को पुष्पहार, अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

अंतरराष्ट्रीय शायरा प्रीता बाजपेई की सरस्वती वंदना---हे मां वाणी ऐसा वर दो जीवन सफल बनाएं हम,गीत तुम्हारे गाएं हम,से कविसम्मेलन का शुभारंभ हुआ। वरिष्ठ कवि

डा. योगेन्द्र कुमार मिश्र ने जन-जन के नायक को राम-राम कहिये,समरसता के नायक को राम-राम कहिये,राम के पूर्व राम,राम उपरांत राम,ऐसे पूर्ण राम को राम-राम कहिए,पढ़कर श्रोताओं की तालियां बटोरीं।कवि सम्मेलन का संचालन कर रहे डॉ. पीयूष मिश्र श्पीयूषश ने हम भी रहें तुम भी रहो, हंसता चमन रहे। मिलने मिलाने के यहां सौ सौ जतन रहे,काव्य पंक्तियां पढ़कर भाईचारे का संदेश दिया। डा. राजेन्द्र त्रिपाठी श्रसराजश ने पढ़ा---सृष्टि हो,सरस्वती हो,सीता हो,सती हो तुम,लक्ष्मी और दुर्गा हो शक्तिरुपधारिणी। राधा रुक्मिणी हो, द्रौपदी हो,कुन्ती गान्धारीश मीरा ब्रजगोपियाँ हो।।पं राकेश मालवीय ने पढ़ा--राम-कृपा से भक्तों के सब, पाप-ताप मिट जाते हैं।।राम नाम का अमृत पीकर, जो जीवन जी जाता है।राम रमे रहते उस तन में, पाप सकल मिट जाता है।रवीन्द्र कुशवाहा ने मित्रता में विश्वास को तरजीह देते हुए पढ़ा धड़कन को एक श्वास चाहिए, मित्रता को विश्वास चाहिए।। शम्भूनाथ श्रीवास्तव श्शम्भुश, ने सुनाया---धरा में तुम हो, गगन में भी हो।हो नीर पावक, पवन में भी हो।आनंद श्रीवास्तव ने पढ़ा— जिंदगी की यही कहानी है सांस आनी है और जानी है जब भी बोलो तो प्यार से बोलो बाद तेरे यही निशानी है।।शिवराम उपाध्याय श्मुकुल मतवालाश ने भी अपने रचनापाठ से श्रोताओं को आल्हादित कर दिया।संस्था की उपाध्यक्ष डा. ज्योति मिश्र ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। प्रारंभिक उद्घोषणा संतोष पाण्डेय ने की। कार्यक्रम में काशी-प्रांत के लोककला संयोजक सुशील राय, महिलाशक्ति संयोजिका प्रेमलता मिश्रा,रेखा मिश्रा,गायक मनोज गुप्ता, डा. वीरेन्द्र तिवारी एवं एडवोकेट संतोष जैन उपस्थित रहे।

बच्चों की शिक्षा व उनके उज्जवल भविष्य के लिए उधार व कर्ज एवं खुद का खून भी बेचना पड़े तो वह पीछे नहीं हटते अभिभावक!!

सरकार प्राइवेट स्कूलों की हो रही मनमानी पर क्यों नहीं लगा पाती लगाम?

अभिभावकों को स्कूलों व पुस्तक विक्रेताओं की मनमानी रोकने के लिए होना होगा एकजुट..!!

मुजफ्फरनगर। एक आम आदमी अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने के लिए कैसे कैसे पापड़ बेलता है वह उसको ही पता होता है क्योंकि उसकी सैलरी कभी बढ़ती नहीं है!और खर्चे समय के अनुसार बढ़ते जाते हैं!अब तो शिक्षा भी बहुत ज्यादा महंगी होती जा रही है स्कूल प्रबंधक हर साल फीस में बढ़ोतरी करते हैं और आमजन का जीना मुहाल करते है!लेकिन सरकार की ओर से प्राइवेट स्कूलों की हो रही मनमानी पर कभी भी अंकुश नहीं लगाया जाता है! लेकिन बेचारा अभिभावक क्या करें उसको तो अपने बच्चों की शिक्षा के लिए व उनके उज्जवल भविष्य के लिए उधार व कर्ज एवं खुद का खून भी बेचना पड़े तो वह पीछे नहीं हटता है!एक बार फिर नया सत्र शुरू होते ही अभिभावकों की परेशानी बढ़ जाती है एक से दो माह की फीस के साथ स्कूलों में डेवलपमेंट फीस के नाम पर ली जाने वाली मोटी रकम भरनी है तो कॉपी-किताब भी खरीदनी है कॉपी- किताब का सेट इतना महंगा है कि उसे खरीदने में अभिभावकों के पसीने निकल जा जाते हैं कई निजी स्कूलों में तो पहली से लेकर आठवीं कक्षा की किताबों का सेट तीन

से आठ दस हजार रुपये पड़ रहा है! उधर सरकार व प्रशासन और शिक्षा विभाग इस लूट पर चुप्पी साधे हुए नजर आ रहा है! इन दिनों सभी पुस्तक विक्रेताओं के यहां लंबी लंबी लाइनें लग रहीं हैं।

अगर पुस्तक विक्रेताओं व स्कूल फीस पर सरकार का नियंत्रण होगा तो किसी अभिभावक को कोई परेशानी नहीं होगी बच्चे भी अच्छे से पढ़ सकेंगे उनका भविष्य भी बनेगा!एक तरफ भारी भरकम फीस के अभाव में कई बच्चे बड़े स्कूलों का मुंह तक नहीं देख पाते हैं ऐसे में उन बच्चों के बारे में भी सरकार को सोचने की जरूरत है!फीस की सीमा निर्धारित होनी चाहिए लेकिन इससे पहले अभिभावकों को आगे आना होगा! जब व एकजुट रहेंगे तभी अपनी समस्या उठा सकेंगे और उसके समाधान के लिए दवाब बना सकेंगे! बढ़ती फीस व पुस्तक विक्रेताओं को लेकर अभिभावक समस्या की बात तो करते हैं लेकिन आवाज बुलंद करने की बात होती है तो अधिकतर लोगों के पास समय या व लोग सामने नहीं आ पाते हैं आखिर यह उनकी सालों भर की समस्या है इसके लिए उन्हें आगे आना ही होगा और सरकार को भी इस पर गंभीरतापूर्वक ध्यान देना चाहिए!हम लोग कई सालों से सुन रहे हैं कि सरकार प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ाने पर कोई कानून लेकर आने वाली है लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो पाया है अगर ऐसा होता है तो अच्छी बात होगी इससे सभी को फायदा होगा खासकर गरीबवर्ग व मध्यमवर्ग इससे काफी परेशान है! उसके कई तरह के खर्चे होते हैं फिर उसमें स्कूल की फीस भी होती है वह भी बढ़ी हुई होती है नहीं देने पर स्कूल से निकालने का नोटिस आ जाता है इससे बचने के लिए अभिभावक कहीं से भी उधार लेकर फीस भर देते हैं उसके बाद व कर्ज में डूबे रहते हैं सरकार को इस और ध्यान देना चाहिए कि प्राइवेट स्कूल की फीस कम होनी चाहिए जिससे कि देश का गरीब हो मीडियम वर्ग अपने बच्चों को उच्चशिक्षा दिला सके हैं और वह बच्चा अपना भविष्य बना सकें।

नगर निगम ने अवैध होर्डिंग हटाये, 11 लाख 95 हजार के नोटिस भेजे

मथुरा। मथुरा वृंदावन महानगर क्षेत्र में बिना अनुमति के अवैध होर्डिंग, विज्ञापन पट लगाने वाले एक दर्जन से अधिक स्कूल, जमीन फ्लैट की बिक्री करने वाले संस्थान आदि पर 11 लाख 95 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया है। निगम ने संबंधित फर्मों को नोटिस देते हुए कहा है कि जुर्माने की धनराशि एक सप्ताह के अंदर जमा कर दें वरना कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। नगर आयुक्त शशांक चौधरी के आदेश के अनुपालन में शनिवार को वृन्दावन जोन सीमान्तर्गत नगर निगम की बिना अनुमति लगाये गये अवैध होर्डिंग्स, विज्ञापन पटों का अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक के नेतृत्व में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक कर अधीक्षक हरिकृष्ण गुप्ता राजस्व निरीक्षक मुकेश सिंह द्वारा चिन्हाकन किया गया। कुल 11 लाख 95 हजार रूपये जुर्माना निर्धारित करते हुये प्रत्येक फर्म को नगर निगम मथुर वृन्दावन वृन्दावन जोन द्वारा पृथक पृथक नोटिस जारी करते हुये नोटिस के माध्यम से कहा गया कि उक्त विज्ञापन होर्डिंग्स को तत्काल हटाते हुये जुर्माने की धनराशि एक सप्ताह के अन्दर जमा करा दें अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार प्रत्येक फर्म के विरूद्ध क़ानूनी कार्यवाही नगर निगम द्वारा अमल में लाई जायेगी।

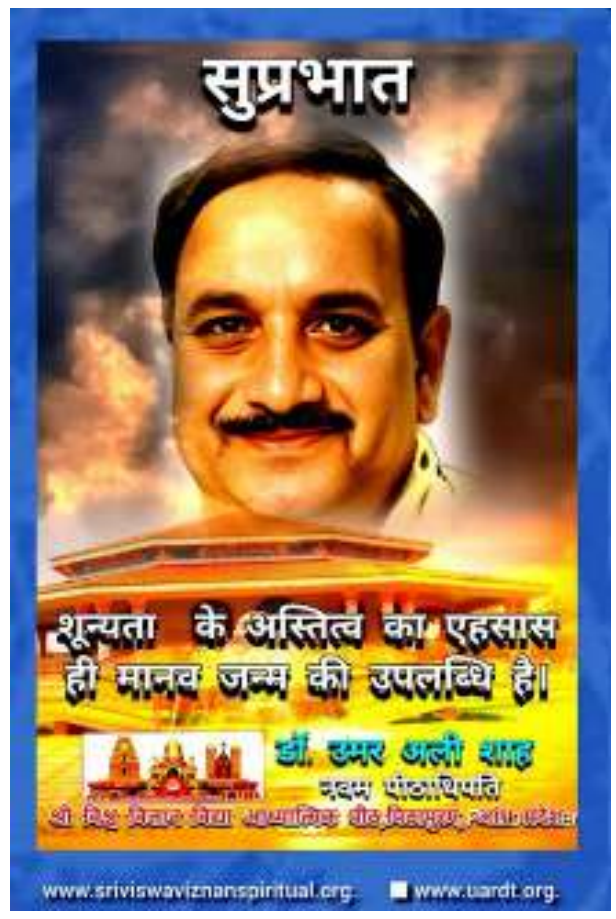

मौन हुए जज़्बात

(कुण्डलिया)

झूठो के सरदार ने, खेल दिया वह दाँव।
देने लगे बबूल भी,पीपल-सा ही छाँव।
पीपल-सा ही छाँव, तले जिसके हरि-प्रतिमा।
ऊसर में तृण देख,कहें गाओ-प्रभु महिमा।
हँसकर कहे प्रदीप, न अपनों से अब रूठो।
कुछ दिन का है दौर ,समझ लो जग के झूठो।।

मीठी-मीठी बात से,रहिए सदा सतर्क।
वर्ना इक दिन देखिए,होगा बेड़ा गर्क।
होगा बेड़ा गर्क,न आएगा तब कोई।
जगने पर भी आँख,लगेगी सोई-सोई।
सुन लो कहें प्रदीप, सुहानी रातें बीती।
मौन हुए जज्बात, सुनी जब बातें मीठी।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सुरेन्द्र नगर में हुआ रामनवमी पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

मुज़फ्फरनगर। जानसठ रोड पर शहर की पॉश कॉलोनी सुरेंद्र नगर में रामनवमी के पावन पर्व पर मानस परिवार व मन्दिर समिति के सौजन्य से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंजू शर्मा,

शिखा जैन, शशि गुप्ता, डोली बंसल, सुषमा गौड़, गुणवती अरोरा , विशाल गर्ग, राजेश शर्मा, नीरज शर्मा, भीम पाल आदि ने सुंदर सुंदर भजनों से समा बांध दिया। भगवान श्री राम के सुंदर सुंदर भजनों से माहौल भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में अरविंद गुप्ता, राजेश शर्मा, नीरज शर्मा श्रीपाल पुंडीर, अनिल गर्ग, राजीव गोयल, मदन गोयल सहित कोलोनी के गणमान्य का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत मे आरती व प्रशाद वितरण किया गया।

एसडीएम के नेतृत्व मे गंगा घाट पर चला स्वच्छता अभियान

मोरना। तीर्थनगरी शुकतीर्थ में जिला प्रशासन के द्वारा चलाए गए गंगा स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत सातवें रविवार को गंगा घाट पर पहुंचे एसडीएम जानसठ व तहसीलदार ने फैडरेशन आफ मुजफ्फरनगर कामर्स एंड इंडस्ट्री व भारत स्काउट के बच्चों के साथ मिलकर गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने के लिए सफाई अभियान चलाया। इस दौरान एसडीएम जानसठ जयेन्द्र सिंह ने कहा कि गंगा को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी द्वारा गंगा स्वच्छता अभियान की शुरूआत की गई थी। इसी क्रम में प्रत्येक रविवार को शुकतीर्थ में गंगा सहित गंगा घाट के आसपास स्वच्छता अभियान चलाकर साफ सफाई की जा रही है। इससे पूर्व गंगा घाट पर गंगा से जलकुम्भी व कचरा

निकालकर गंगा स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई। तहसीलदार सतीशचंद बघेल ने बताया कि शुकतीर्थ में विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से प्रत्येक रविवार को निरंतर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। गंगा को स्वच्छ बनाने एवं उसमें जलीय जंतुओं को संरक्षित करने के प्रति जागरूकता लाना है। फैडरेशन आफ मुजफ्फरनगर कामर्स एंड इंडस्ट्री के अभिषेक अग्रवाल, आशीष बंसल, प्रतीक भाटिया, प्रसून अग्रवाल, प्रशांत अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, राकेश ढींगरा, राकेश जैन, अमित संगल, डीएवी इंटर कॉलेज जानसठ के स्काउट मास्टर जितेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में स्काउट शेखर, रोहित, प्रशान्त, रोहन, वंश चंदेल, प्रिंस कुमार, कृष्णा, निशान्त, कुंवर प्रताप, मनीष, माधव ने गंगा को निर्मल व स्वच्छ बनाने के लिए गंगा घाट पर मौजूद लोगों को साफ-सफाई के लिए जागरूक किया तथा लोगों से गंगा स्वच्छता अभियान से जुड़ने की अपील की गई और श्रमदान कर गंगा से कपड़े, पॉलिथीन, कचरा आदि निकाला।

सम्पादकीय.....

न्यायधीशो की सहमति

भारत में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी कोई ताकत नही है। जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी सम्पत्ति का ब्यौरा देना तय कर लिया है तो निश्चित तौर पर यह कहा जाए कि अब केन्द्र एवं राज्य सरकार के अफसरानों से लेकर मुलाजिमों तक को अपनी सम्पत्ति का ब्यौरा देना ही पड़ेगा। हालांकि अभी सम्पत्ति का ब्यौरा अफसर और मुलाजिम अपनी जानकारी के अनुसार दे रहे है लेकिन देर सबेर उस ब्यौरे की क्रास चेकिंग या जॉच का निर्णय भी सरकार द्वारा लिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, उसके पीछे कारण चाहे जो भी हो, वह सही दिशा में उठाया गया वाजिब कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा।निश्चित तौर पर सुप्रीम कोर्ट को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। फिर भी जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्डी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों से कहीं न कहीं कुछ संदेह भी बनता है। जस्टिस वर्मा के मामले में आंतरिक समिति बनाई गई है। जांच से सारी बातें साफ हो जाएंगी, लेकिन यह भी जरूरी था कि इस घटना के चलते जो संदेह पैदा हुआ, उसे दूर किया जाए। यह विषय बहुत पुराना है कि न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा करनी चाहिए। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं। लेकिन अब मामला बिलकुल साफ है। ऐसे में नौकरशाहो, कतिपय न्यायधीशो, नेताओ, जनप्रतिनिधियो के साथ इंजीनियरय, मीडिया आदि से जुड़े ऐसे व्यक्ति विशेष जिन्होंने आकूत सम्पत्ति विभिन्न गैरवाजिब तरीके से जुटा रखी है उन पर शिकंजा कसना तय है। यह बात अलग है कि इसके परिणाम कुछ देर से आएगें क्योकि भ्रष्टाचार अभी भी चरम पर है। सभी जानते है कि पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं। इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी नुक्ते को आधार बनाकर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक करना न्यायाधीशों की इच्छा पर है।सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी और बाद में कहा कि उसका ऐसा कोई इरादा भी नहीं है। यह रुख गलत नहीं कहा जा सकता। सरकार की तरफ से किया गया कोई भी प्रयास यह संदेश देता कि न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल हो रहा है।

दिशाहीन भीड़ की मानसिकता से समाज को सर्वाधिक खतरा

संजीव ठाकुर

वर्तमान समाज उपभोक्तावादी हो गया है,आजकल सहयोग तथा सहिष्णुता की भावना तथा समझ लगातार कम होते जा रही है। हम की संयुक्त भावनाओं के बजाए मैं की प्रवृत्ति सामने आने लगी है ।

सामाजिक सरोकार के परिवर्तन और उसके विरोध से उठे सवालों से सहमति और असहमति से उपजे असंतोष से भिड़ तंत्र द्वारा हिंसक अहिंसक प्रदर्शन से मानवता और सामाजिक एकरसता को सबसे बडा खतरा जन्म लेता जा रहा है यह राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंतन का विषय बन चुका है। आज देश के लगभग अधिकतर राज्यों में चुनाव की प्रतिस्पर्धा और धार्मिक उन्माद से जल रहे हैं। मानवता चीत्कार कर रही है और आम नागरिक अपने जलते हुए घरों और परिजनों के मृत शव को देखकर भयभीत हो रहे हैं। मणिपुर, पश्चिम बंगाल और संभल की हिंसात्मक घटनाओं को देखकर धीरे–धीरे सामाजिक न्याय पर विश्वास उठता जा रहा है जब मंत्रियों और अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों के घरों में आग लगाई जा सकती है तो आम आदमी कि कोई अहमियत नहीं रह गई है। राज्य सरकारें हाथ में हाथ धरे बैठी केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है बड़ी विभीषिका के दृश्य सामने आ रहे है । भीड तंत्र द्वारा किया गया न्याय राज्य की विफलता है। जो कार्य राज्य की कार्यपालिका तथा न्यायपालिका द्वारा गुण दोष के आधार पर किया जाना चाहिए, आज उसे भीड़ तंत्र द्वारा किया जा रहा है, यह सार्वभौमिक अवधारणा है कि भीड़ को राजनीति और सत्ता मिलकर पैदा करते हैं, और यही सामूहिक लोगों की भीड़ राज्य के नियंत्रण से मुक्त होकर राज्य के अस्तित्व को चुनौती देने लगती है। और फिर सामने आती है माब लीचिंग। वर्तमान समाज उपभोक्तावादी हो गया है,आजकल सहयोग तथा सहिष्णुता की भावना तथा समझ लगातार कम होते जा रही है। हम की संयुक्त भावनाओं के बजाए मैं की प्रवृत्ति सामने आने लगी है । और समाज व्यक्ति केंद्रित विकास की ओर अग्रसर हो कर समाज का एक बड़ा तबका विकास के पथ से बहुत पीछे छूट गया है। वस्तुतः एक तरफा वैश्वीकरण तथा साधनों के केंद्रीकरण के कारण गरीबी तथा बेरोजगारी खुलकर सामने आने लगी है। भारत के 10: लोगों के पास देश की 58: संपत्ति का स्वामित्व है। एवं देश की पूंजी का 70: भाग 1 प्रतिशत लोगों के अधिकार क्षेत्र में है ।यही कारण है कि भारत में भी फ्रांस एवं रूस की क्रांति जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इस मामले में भारत में हर राज्य की भूमिका अलग–अलग तथा भिन्न भिन्न है। भारत की शिक्षा व्यवस्था भी भीड़ तंत्र को काफी प्रोत्साहित कर रही। बैचलर डिग्री तथा मास्टर डिग्री लेने के बाद डिग्री धारी लोग बेरोजगारी या अल्प रोजगार के कारण कुंठित हो रहे हैं। और यही कुंठा बेरोजगारी एवं गरीबी किसी भी घटना को भीड़ तंत्र की ओर खींचती है, फल स्वरूप मॉब लिंचिंग की अनेक घटनाएं सामने आने लगी हैं। दूसरी तरफ कानून का यह मानना है कि न्याय में विलंब न्याय को नकारना है। भारत की न्याय व्यवस्था अपने लंबित मुकदमों तथा प्रकरण के कारण एक तरह से अन्याय को ही जन्म देती है। किसी हत्यारे या बलात्कारी को सजा देने का समय तब आता है, जब आरोपी बहुत बुजुर्ग अथवा मर चुका होता है। भीड़ तंत्र अस्थाई रूप से समान मूल्यों तथा भावनाओं की पहचान के साथ जुड़े अलग–अलग समूहों के लोगों का शामिल एक बड़ा समूह है। भीड़ की कोई अपनी आंख शक्ल नहीं होती एवं भीड़ की कोई पहचान भी नहीं होती है। इसके उद्देश्य तत्कालिक होते हैं, यह भी हो सकता है कि भीड़ में जो एक क्षण पहले नायक हुआ करता था, वह अगले ही पल उस समूह का पीड़ित व्यक्ति भी हो सकता है। इतिहास में इसके कई उदाहरण है जहां भीड़ ने अपने नेता को पद से हटाकर उसकी विनाश लीला ही रचा दी थी। फ्रांस का शासक रोबेस्पीयर इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है। और सिगमंड फ्रायड के अनुसार भीड़ में व्यक्ति अपने सारे मूल्य खोकर आदिम काल में पहुंच जाता है, और भीड़ में कोई धर्म नहीं रह जाता है। कार्यपालिका तथा न्यायपालिका की लेटलतीफी के कारण भीड़ को कानून का भय लगभग समाप्त हो गया है। धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का स्पष्ट उल्लंघन कर किसी विशेष धर्म के लोगों को खानपान तथा व्यंजन के आधार पर कथित लोगों द्वारा किसी को भी निशाना बना कर उसकी हत्या कर दी जाती है, यह देश के लिए अत्यंत दुर्भाग्य जनक है। रही सही कसर सोशल मीडिया पूरा कर रहा है, फर्जी समाचार तथा राजनीतिक नियंत्रण के कारण सोशल मीडिया कई बार किसी विशेष वर्ग के द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जा रहा है। लोकतंत्र का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा चौथा स्तंभ मीडिया भी जन जागरूकता के प्रचार प्रसार के बजाय घटनाओं को धर्म तथा वर्ग के आधार पर विशेष वर्ग के हितों को प्रचारित प्रसारित करता है, जो इस आदिम कॉल की व्यवस्था को पुष्पित पल्लवित करता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग सामाजिक विकास न्याय के स्थान पर अन्याय प्रकृति की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है। मॉब लिंचिंग के कारण समाज में आम हिंसा की घटनाएं बढ़ने लगी है,इससे समाज की संस्कृति को दीर्घकालिक क्षति होगी। इस तरह भीड़ तंत्र के द्वारा की गई हिंसक घटनाओं तथा हत्या से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की साख की गिरावट भी होती है, एवं आर्थिक क्षेत्र में निवेश पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसी तरह हिंसक घटनाओं से पलायन तथा संसाधनों के विकास पर बाधा पड़ने से सामाजिक तथा आर्थिक क्षमता को बढ़ावा मिलता है। भारत में स्वतंत्रता संग्राम भी सामूहिक भीड़ के माध्यम से ही जीता था,फ्रांस तथा रूस में भी भीड़ द्वारा सकारात्मक भूमिका निभाकर अनैतिक तथा अवैधानिक शासन तंत्र को खत्म किया था। भीड़ तंत्र द्वारा ही करप्शन अगेंस्ट इंडिया चलाकर का भी कुछ सफलता प्राप्त की थी।

टैरिफ युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नहीं होगा अधिक प्रभाव

प्रहलाद सबनानी

दिनांक 2 अप्रैल 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा, विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयातित उत्पादों पर की गई टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही अंततः अमेरिका द्वारा पूरे विश्व में टैरिफ के माध्यम से व्यापार युद्ध छेड़ दिया गया है। अभी, अमेरिका ने विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर विभिन्न दरों पर टैरिफ लगाया है। अब इनमें से कई देश अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर रहे हैं, जैसे चीन ने अमेरिका से चीन में आयात होने वाले उत्पादों पर दिनांक 10 अप्रैल 2025 से 34 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है। टैरिफ के माध्यम से छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारत पर कोई बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना कम ही है। दरअसल, अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है और साथ ही कुछ उत्पादों के आयात पर फिलहाल टैरिफ की नई दरें लागू नहीं की गई हैं। टैरिफ की यह दरें 9 अप्रैल 2025 से लागू होंगी। विभिन्न देशों से अमेरिका में आयात होने वाले उत्पादों पर 10 प्रतिशत की दर से न्यूनतम टैरिफ लगाया गया है। साथ ही, कुछ अन्य देशों यथा चीन से आयातित उत्पादों पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। इसी प्रकार, वियतनाम से आयातित उत्पादों पर 46 प्रतिशत, ताईवान पर 32 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, भारत पर 26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 25 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड पर 31 प्रतिशत, मलेशिया पर 24 प्रतिशत, कम्बोडिया पर 49 प्रतिशत, दक्षिणी अफ्रीका पर 30 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत, पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत और इसी प्रकार अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भी अलग अलग दरों से टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। कुछ उत्पादों जैसे, स्टील, एल्यूमिनियम, ऑटो, ताम्बा, फार्मा उत्पाद, सेमीकंडक्टर, एनर्जी, बुलीयन एवं अन्य महत्वपूर्ण मिनरल्स को अमेरिका में आयात पर टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है। अमेरिका का मानना है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देश अमेरिका में उत्पादित वस्तुओं के आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमेरिका में इन देशों से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर अमेरिका द्वारा बहुत कम दर पर टैरिफ लगाया जाता है।

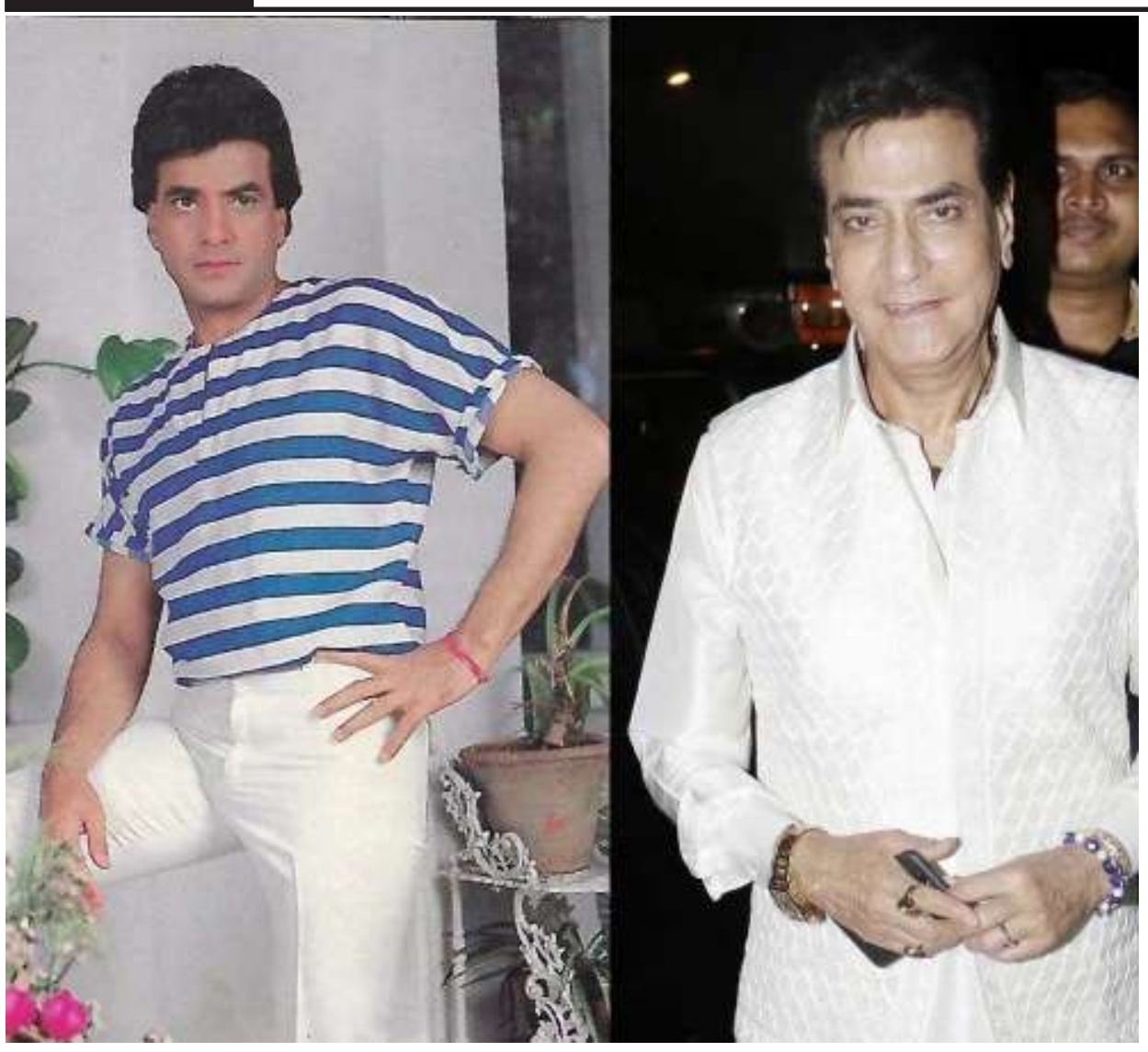

30 रीटेक के बाद ऐसे मिला था जितेंद्र को पहली फिल्म में काम, आज मना रहे 83वां जन्मदिन

> वह हिंदी सिनेमा के इकलौते ऐसे हीरो हैं, जिन्होंने अपने पूरे फिल्मी करियर में ८० रीमेक फिल्मों में काम किया। जितेंद्र ने करीब २०० फिल्में में मुख्य भूमिका निभाई, जिनमें से १२१ फिल्में हिट साबित हुईं।

बॉलीवुड में'जंपिंग जैक' के नाम से फेमस अभिनेता जितेंद्र कपूर आज 07 अप्रैल को अपना 83वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कई तरह के किरदारों को निभाया है। 60 से 90 दशक तक अभिनेता ने हिंदी सिनेमा में अपनी धाम जमाए रखी। वह हिंदी सिनेमा के इकलौते ऐसे हीरो हैं, जिन्होंने अपने पूरे फिल्मी करियर में 80 रीमेक फिल्मों में काम किया। जितेंद्र ने करीब 200 फिल्में में मुख्य भूमिका निभाई, जिनमें से 121 फिल्में हिट साबित हुईं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेता जितेंद्र के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

पंजाब के अमृतसर में 07 अप्रैल 1942 में जितेंद्र का जन्म हुआ था। उनका असली नाम रवि कपूर है। जितेंद्र के पिता ज्वेलरी सप्लाई का काम किया करते थे और वह मुंबई के चॉल में रहा करते थे। जब जितेंद्र कॉलेज में थे, तो उनके पिता को हार्ट अटैक आ गया था। पिता के बीमार होने पर परिवार की जिम्मेदारी जितेंद्र के कंधों पर आ गई। ऐसे में जितेंद्र ने फिल्ममेकर शांताराम से मुलाकात की और उनसे फिल्मों में काम मांगा। तब शांताराम ने कहा कि अगर तुम कोशिश करना चाहते हो तो करो लेकिन मैं उनको काम नहीं दूंगा। लेकिन फिर बाद में शांताराम की ओर से ही जितेंद्र को बुलावा आया।

फिल्मी करियर

शांताराम ने जितेंद्र को फिल्मों के लिए सेलेक्ट कर दिया। फिर जब जितेंद्र का स्क्रीन टेस्ट लिया गया, तो 30 टेक लेने के बाद भी वह अपने डायलॉग सही से नहीं बोल पा रहे थे। लेकिन फिर भी श्गीत गाया पत्थरों नेश फिल्म के लिए जितेंद्र को सेलेक्ट कर लिया गया। बता दें शांताराम ने ही रवि कपूर का नाम बदलकर जितेंद्र रख दिया था। इसके बाद उन्होंने 100 रुपए महीने की पगार पर काम करना शुरूकर दिया था। साल 1959 में जितेंद्र ने बॉलीवुड में अपने फिल्मी करियर की शुरूआत फिल्म श्नवरंगश से की थी। इस फिल्म में उनको छोटी सी भूमिका निभाने का मौका मिला था। फिर साल 1967 में जितेंद्र की सुपरहिट फिल्म श्फर्जश रिलीज हुई। अभिनेता ने अपने करियर में करीब 200 फिल्मों में काम किया था।

लव लाइफ

अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा जितेंद्र लव लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहे। हालांकि एक्टर का नाम कई एक्ट्रेसेस संग जुड़ गया। लेकिन वह बचपन से ही शोभा कपूर से प्यार करते थे। उस दौरान शोभा ब्रिटिश एयरवेज में काम कर रही थीं। जॉब के सिलसिले में शोभा को अक्सर विदेश में रहता पड़ता था। लेकिन इसके बाद भी जितेंद्र की बचपन की गर्लफ्रेंड शोभा अपने परिवार के साथ उनके घर पहुंची और साल 1974 में शोभा और जितेंद्र की शादी हो गई।

अवॉर्ड

बता दें कि साल 2004 में जितेंद्र को अटलांटिक सिटी में लीजेंड ऑफ इंडिया सिनेमा अवार्ड से सम्मानित किया गया था। फिर साल 2007 में अभिनेता को दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड मिला था। वहीं साल 2012 में उनको लायंस गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। यह सम्मान उनको मोस्ट एवरग्रीन रोमांटिक हीरो के लिए दिया गया था।

जैकलीन फर्नांडीज पर टुटा दुखों का पहाड़, सिर से उठा मां का साया

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज की मां किम का निधन 6 अप्रैल को हो गया। उन्हें कुछ दिन पहले मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका इलाज चल रहा था। कुछ दिन पहले, बुधवार को जैकलीन को अपनी मां के पास लीलावती अस्पताल जाते हुए देखा गया था। बता दें कि, उनकी मां को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया था। उस दौरान, जैकलीन अस्पताल के गेट पर पहुंची और उनका चेहरा काले मास्क से ढका हुआ था। एक्ट्रेस अस्पताल के अंदर काफी तेजी से पहुंची, जबकि पैपराजी ने उन्हें परिसर के बाहर देखा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जैकलीन को हाल ही में आईपीएल इवेंट में परफॉर्म करना था। लेकिन अपनी मां की तबियत खराब होने के कारण उन्होंने यह इवेंट छोड़ दिया और अपने परिवार के पास रहने का फैसला लिया। जैकलीन को 26 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाले आईपीएल मैच में शामिल होना था, लेकिन उन्होंने अपनी मां की देखभाल के लिए इस इवेंट को छोड़ दिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलिन फर्नांडीस की मां किम फर्नांडीस के निधन के बाद परिवार में शोक का माहौल है। किम फर्नांडीस के अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की जा रही हैं और इस दौरान कुछ वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में जैकलिन और उनके पिता एलरॉय फर्नांडीस को श्मशान घाट जाते हुए देखा गया था, जहां एक्टर सोनू सूद भी परिवार को सहारा देने पहुंचे थे। अब एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें जैकलिन फर्नांडीस के पिता एलरॉय फर्नांडीस अपनी पत्नी को अंतिम विदाई देकर लौटते हुए नजर आ रहे हैं।

सूखे और फटे होंठों के लिए घर पर ही बनाएं कॉफी लिप बाम

अगर आपको कॉफ़ी की खुशबू बहुत पसंद है और आप उसे अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाते हैं तो अब आप कॉफी को अपने ब्यूटी रूटीन में भी शामिल करें। जी हां, कॉफी की मदद से कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स खुद घर पर ही बनाए जा सकते हैं। यह सिर्फ सुबह की नींद भगाने के लिए नहीं है, बल्कि ये आपकी स्किन, खासतौर से आपके होंठों के लिए बेहद फायदेमंद है। कॉफी आपके होंठों की डेड स्किन को धीरे से हटाती है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाती है, और इससे एक हल्का नेचुरल टिंट भी मिलता है। अगर आप चाहें तो कॉफी की मदद से लिप बाम बनाकर बेहद आसानी से उसका इस्तेमाल कर सकती हैं। यूं तो बाजार में कई तरह के लिप बाम मिलते हैं, लेकिन कई बार उनमें केमिकल्स ज़्यादा होते हैं या वो फिर वे आपके होंठों पर सूट नहीं करते और आपको इचिंग या जलन का अहसास होता है। तो क्यों न आप खुद ही घर पर एक प्यारा सा, नेचुरल लिप बाम बना लें। इन्हें बनाना बेहद आसान है और आप अपनी पसंद के अनुसार इसे बेहद ही आसानी से कस्टमाइज भी कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको घर पर ही कॉफी लिप बाम बनाने के आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं–

कॉफी और नारियल तेल लिप बाम

यह लिप बाम रूखे होंठों के लिए एकदम सही माना गया है, क्योंकि नारियल का तेल होंठों को गहराई से मॉइश्चराइज़ करता है। जबकि कॉफी हल्का स्क्रब देती है और रक्त संचार को बढ़ाती है। इसके अलावा, विटामिन ई हीलिंग में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री–

1 चम्मच नारियल का तेल

1 चम्मच बीवैक्स

आधा चम्मच पिसी हुई कॉफी

विटामिन ई तेल की कुछ बूंदे

इसे कैसे बनाएं–

सबसे पहले नारियल तेल और बीवैक्स को डबल बॉयलर या माइक्रोवेव में थोड़ी–थोड़ी देर में पिघलाएं।

अब इसमें कॉफी डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

इसके बाद, इसमें विटामिन ई तेल मिलाएं।

तैयार लिप बाम को एक छोटे कंटेनर में डालें और इसे ठंडा होकर जमने दें।

कॉफी और शहद लिप बाम

यह लिप बाम फटे होंठों को ठीक करने में मददगार साबित हो सकता है। दरअसल, शहद एक एंटी–बैक्टीरियल है और घाव भरने में मदद करता है। वहीं, कॉफी धीरे से एक्सफोलिएट करती है। जबकि जैतून का तेल स्किन को पोषण देता है।

आवश्यक सामग्री–

1 चम्मच जैतून का तेल

आधा चम्मच शहद

आधा चम्मच बीवैक्स

आधा चम्मच इंस्टेंट कॉफी पाउडर या पिसी हुई कॉफी

इसे कैसे बनाएं–

बीवैक्स और जैतून के तेल को एक साथ पिघलाएं।

अब इसमें शहद और कॉफी पाउडर को मिलाएं।

इसे अच्छी तरह से मिलाएं और एक कंटेनर में डालकर जमने दें।

गर्मियों में त्वचा को ग्लोइंग बनाने के लिए लगाएं पपीते से बने ये 2 असरदार फेसपैक

गर्मियों में त्वचा का ख्याल रखना थोड़ा मुश्किल हो सकता है क्योंकि सूरज की तेज किरणों, धूल और पसीने के कारण त्वचा की सुंदरता प्रभावित हो सकती है। लेकिन पपीता एक नेचुरल उपाय है, जो न केवल आपकी त्वचा को ग्लोइंग बनाता है, बल्कि इसके अनेक स्किन फायदे भी हैं। पपीता में एंजाइम (पैपैन), विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो त्वचा की गहराई से सफाई करते हैं और उसे निखारते हैं। यहां हम पपीते के दो बेहतरीन फेस पैक के बारे में जानेंगे, जो गर्मियों में आपकी त्वचा को न केवल ग्लोइंग बनाएंगे, बल्कि उसे साफ और तरोताजा भी रखेंगे।

पपीता और शहद का फेस पैक

सामग्रीः 1/2 कप पपीता (मैश किया हुआ), 1 चम्मच शहद

विधिः

सबसे पहले पपीते को अच्छी तरह से मैश कर लें, ताकि उसमें कोई टुकड़ा न रहे।

अब उसमें शहद डालकर अच्छी तरह मिला लें।

तैयार मिश्रण को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं।

15–20 मिनट के लिए इसे चेहरे पर रहने दें।

बाद में गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

फायदेः पपीता त्वचा से मृत कोशिकाओं को हटाता है, जिससे त्वचा पर निखार आता है। शहद त्वचा को हाइड्रेट करता है और उसमें नमी बनाए रखता है। यह फेस पैक त्वचा को गहराई से पोषण देता है और चेहरे को ग्लोइंग बनाता है।

पपीता और दही का फेस पैक

सामग्रीः 2 चम्मच पपीता (मैश किया हुआ, 1 चम्मच दही

विधिः

सबसे पहले पपीते को अच्छे से मैश कर लें।

अब उसमें दही डालकर अच्छे से मिला लें।

इस मिश्रण को चेहरे और गर्दन पर लगाएं।

15–20 मिनट के लिए इसे चेहरे पर छोड़ दें।

फिर इसे गुनगुने पानी से धो लें।

फायदेः दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा की चमक को बढ़ाता है और उसमें निखार लाता है। पपीता त्वचा को मुलायम और निखरा बनाता है। यह फेस पैक त्वचा के दाग–धब्बों को हल्का करने में भी मदद करता है।

गर्मी में त्वचा को ग्लोइंग बनाए रखने के लिए पपीता एक बहुत ही असरदार और नेचुरल उपाय है। पपीते के साथ शहद और दही जैसे घटक इसे और भी प्रभावी बनाते हैं। इन आसान और प्रभावी फेस पैक्स को अपनी रूटीन में शामिल करके आप अपनी त्वचा को निखार सकते हैं और उसे गर्मी के मौसम में भी ताजगी से भरपूर रख सकते हैं।

खतरे की घंटी है गाढ़ा खून, पतला करने के बेस्ट देसी नुस्खे

आपने बहुत से लोगों के मुंह से कहते सुना होगा कि उनका खून गाढ़ा है। यह एक ऐसी समस्या है जो अपने साथ एक नहीं, कई हैल्थ प्रॉब्लम्स लेकर आती है। खून गाढ़ा होगा तो शरीर में सही तरीके से ब्लड सर्कुलेशन नहीं होगा। खून के थक्के बनने शुरू हो जाएंगे और थक्का बनने से स्ट्रोक की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। हार्ट अटैक, ब्रेन क्लॉट जैसी कई दिक्कतें हो सकती हैं इसलिए इस और ध्यान देना बहुत जरूरी है। सर्दियों में यह समस्या अधिक होती है। अपनी डाइट में कुछ बदलाव करके और डाक्टरी सलाह लेकर आप गाढ़े खून को पतला कर सकते हैं। चलिए इससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी आपके साथ साझा करते हैं।

बिगड़ा लाइफस्टाइल और खान पान से जुड़ी गलत आदतें आपके खून को गाढ़ा कर सकती हैं जिन्हें हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है उनका खून गाढ़ा हो सकता है। जो लोग पानी व लिक्विड डाइट कम लेते हैं, जिसे डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) की समस्या हो।

डायबिटीज के मरीज का खून गाढ़ा हो सकता है।

धूम्रपान और एल्कोहल का अधिक सेवन करने से खून गाढ़ा हो सकता है।

जेनेटिक डिसऑर्डर्स (जैसे फैक्टर ट लेडन म्यूटेशन)

मोटापा भी इसकी वजह है।

कुछ दवाइयों का साइड इफेक्ट

हार्मोनल असंतुलन होने पर खून गाढ़ा हो सकता है।

आपका खान–पान अनहैल्दी है।

फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर करने वाले

खून गाढ़ा होने के कुछ लक्षण

खून गाढ़ा होने की कुछ सामान्य निशानियां और लक्षण हैं, जो यह संकेत देते हैं कि रक्त का प्रवाह ठीक से नहीं हो रहा है हालांकि ये लक्षण व्यक्ति के स्वास्थ्य, उम्र और गाढ़े खून की गंभीरता पर निर्भर करते हैं।

थकावट और कमजोरीः अगर लगातार थकान और कमजोरी महसूस हो रही है तो क्योंकि गाढ़ा खून कोशिकाओं तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचाने में बाधा डालता है, जिससे लगातार थकान और कमजोरी महसूस होती है।

सुन्न होना या झुनझुनी महसूस होनाः हाथों, पैरों या अंगुलियों में सुन्नता या झुनझुनी महसूस होना इस बात का संकेत हो सकता है कि खून का प्रवाह ठीक से नहीं हो रहा।

सिरदर्द और चक्कर आनाः खून गाढ़ा होने से मस्तिष्क तक पर्याप्त ऑक्सीजन और रक्त नहीं पहुंचता, जिससे सिरदर्द और चक्कर आने की समस्या हो सकती है।

धुंधलापन या कम दिखनाः आंखों की रक्त वाहिकाओं में खून का संचार सही से ना होने पर धुंधलापन और बाधित या अचानक दृष्टि की समस्या हो सकती है।

सीने में दर्द या भारीपनः गाढ़े खून के कारण हृदय को रक्त पंप करने में अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे सीने में दर्द या भारीपन महसूस हो सकता है।

सांस लेने में कठिनाईः खून का थक्का बनने पर फेफड़ों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंचती, जिससे सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।

त्वचा का लाल या नीला पड़नाः गाढ़ा खून त्वचा तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंचा पाता, जिससे त्वचा का रंग लाल, नीला या फीका दिख सकता है।

पैरों में सूजन और दर्दः खासकर पैरों में, खून के प्रवाह में रुकावट के कारण सूजन, दर्द या भारीपन महसूस हो सकता है। यह डीप वेन थ्रोम्बोसिस का संकेत हो सकता है।

तेज या अनियमित दिल की धड़कनः गाढ़े खून के कारण हृदय पर अधिक दबाव पड़ता है, जिससे दिल की धड़कन तेज या अनियमित हो सकती है।

बार–बार ब्लड क्लॉट्स बननाः शरीर के विभिन्न हिस्सों में बार–बार खून के थक्के बनना गाढ़े खून की प्रमुख निशानी है। यह काफी खतरनाक भी साबित हो सकती है।

हाथ–पैर ठंडे रहनाः गाढ़े खून के कारण अंगों तक रक्त और ऑक्सीजन की कमी हो सकती है, जिससे हाथ और पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं। सर्दी में यह परेशानी अधिक हो सकती है।

पाचन खराबः पेट में भारीपन, अपच या पेट दर्द की समस्या भी गाढ़े खून से जुड़ी हो सकती हैं क्योंकि इससे पाचन तंत्र को पर्याप्त रक्त नहीं मिलता।

नोटः यदि आप इनमें से कोई भी लक्षण अनुभव कर रहे हैं, तो यह आवश्यक है कि आप डॉक्टर से संपर्क करें। खून गाढ़ा होने की समस्या गंभीर हो सकती है और इसे अनदेखा करना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। ब्लड टेस्ट और अन्य डायग्नोस्टिक टेस्ट से समस्या का सही कारण जाना जा सकता है।

इन चीज़ों से घर पर आसानी से बनाएं काजल, आंखों को नहीं होगी किसी तरह की परेशानी

वैसे तो काजल लगाना हम सभी को पसंद होता है। काजल लगाने से आंखों की खूबसूरती भी दोगुनी हो जाती है। काजल लगाने से आंखें बड़ी–बड़ी नजर आएंगी। आंखों में काजल लगाने के लिए अक्सर हम मार्केट से जाकर ब्रांड का काजल इस्तेमाल करते हैं। जिसकी वजह से कई बार आंखों में जलन होने लगती हैं और आंखें लाल होने लगती हैं। ऐसे में अगर आप घर पर काजल बनाकर इस्तेमाल करते हैं, तो इससे आपकी आंखों को किसी तरह की दिक्कत नहीं होती है। वहीं घर का बना काजल लगाने से आंखों की सुंदरता बढ़ती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर काजल बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

काजल बनाने की सामग्री

बादाम – 2

कपूर– 2

देसी घी– 1/3

काजल बनाने का तरीका

सबसे पहले एक मिट्टी या तांबे का बर्तन ले लें।

फिर बादाम छीलकर डालें और इसमें दो कपूर डालें।

अब जो बर्तन काजल बनाने के लिए लिया है, तो इसको उल्टा करके इसके ऊपर रख दें और इसमें आग लगाएं।

इसके बाद काजल बनने तक इसको ऐसे ही रखा रहने दें।

इससे काजल का पाउडर अच्छे से बन जाएगा।

अब बर्तन को सीधा करके काजल पाउडर को एक छोटे से जार में निकाल लें।

फिर इस पाउडर में देसी घी को मिक्स करके सॉफ्ट बनाएं।

ऐसे करें अप्लाई

काजल बनाने के बाद इसको एक कंटेनर में स्टोर करें।

इसको ब्रश की मदद से आंखों में अप्लाई करें।

आप चाहें तो लाइनर लगाने के लिए भी अप्लाई कर सकती हैं।

यह काजल लगाने के बाद आपको मार्केट से काजल लगाने की जरूरत नहीं होगी।

इन बातों का रखें खास ख्याल

काजल बनाने के दौरान यह सुनिश्चित करें कि आप सही सामग्री का इस्तेमाल कर रही हैं।

काजल लगाने के दौरान हाथ हमेशा साफ–सुथरे होने चाहिए या फिर आप ब्रश का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

वहीं काजल लगाने से आंखों में जलन या परेशानी महसूस होती है, तो इसका उपयोग करना बंद कर देना चाहिए।

संक्षिप्त

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में कमी, फिर भी सरकार ने क्यों बढ़ाई एक्साइज ड्यूटी? आया मंत्री का बयान

भारत सरकार ने सोमवार, 7 अप्रैल को डीजल और पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। ये बदलाव मंगलवार से लागू होंगे। आदेश में कहा गया है कि पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर 13 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने सूचित किया है कि आज उत्पाद शुल्क दरों में की गई वृद्धि के बाद पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी। यानि कि इस आदेश का असर आम आदमी पर नहीं पड़ेगा। हालांकि, सवाल ये है कि अंतरराष्ट्रीय कीमत कम होने के बाद भी सरकार ने उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी क्यों की? केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसका जवाब दिया है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि आपने वित्त मंत्रालय की अधिसूचना देखी होगी जिसमें कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपये की बढ़ोतरी की जा रही है। मैं रिकॉर्ड पर पहले ही स्पष्ट कर दूं कि इसका बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गई है, लेकिन कृपया याद रखें कि हमारी तेल विपणन कंपनियां 45 दिनों की अवधि के लिए स्टॉक रखती हैं। मंत्री ने कहा कि अगर आप जनवरी में वापस जाएं, तो कच्चे तेल की कीमत तब 83 डॉलर थी, जो बाद में घटकर 75 डॉलर हो गई। इसलिए उनके पास जो कच्चे तेल का स्टॉक है, वह औसतन 75 डॉलर प्रति बैरल है। आप उम्मीद कर सकते हैं कि वैश्विक कीमतों के हिसाब से तेल विपणन कंपनियों द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी की जाएगी। एक विनियमन मुक्त क्षेत्र में, आप उनसे बाजार खुदरा मूल्य को तदनुसार समायोजित करने की उम्मीद कर सकते हैं।

चीन से लेकर हांगकांग में शेयर बाराज में हुई गिरावट, 2008 के बाद सबसे बुरा हाल

सोमवार यानी सात अप्रैल का दिन हांगकांग से लेकर चीन तक के शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट हुई है। वैश्विक स्तार पर व्यापार युद्ध को देखते हुए दुनिया भर के बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली है। संभावना है कि इस स्थिति के कारण आने वाले समय में देश और दुनिया में मंदी छा सकती है। सोमवार की सुबह कारोबार में हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 10: से अधिक गिर गया, जो अगर बरकरार रहा तो 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद बेंचमार्क में सबसे बड़ी दैनिक गिरावट होगी। बैंकिंग शेयरों में भारी गिरावट आई, हांगकांग में सूचीबद्ध भैठ और स्टैंडर्ड चार्टर्ड के शेयरों में 15: की गिरावट आई। चीन के ै300 ब्लू–चिप इंडेक्स में लगभग हर सेक्टर में बिकवाली के

साथ 5: से अधिक की गिरावट आई। चीन का युआन जनवरी के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया और बॉन्ड में तेजी से उछाल आया। चीन, जो अब 50: से अधिक के अमेरिकी टैरिफ का सामना कर रहा है, ने शुक्रवार को अमेरिकी आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाकर उसी तरह जवाब दिया। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते विवाद से व्यापार प्रवाह में बाधा उत्पन्न होने का खतरा है, और चीनी आय को प्रभावित करने के अलावा, चीन में विकास में कमी के समय वैश्विक मांग में भी मंदी आने की उम्मीद है। सौर कंपनियों और घरेलू उपकरण निर्माताओं के मुख्यभूमि सूचकांकों में लगभग 10: की गिरावट दर्ज की गई। हैंग सेंग अस्थिरता सूचकांक अक्टूबर के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। व्हाइट हाउस की ओर से पीछे हटने के किसी भी संकेत के अभाव में, निवेशकों का ध्यान बीजिंग पर होगा कि वह चीनी निर्यातकों का समर्थन करने और घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए उपाय लेकर आए। ऑनलाइन दिग्गज कंपनियों अलीबाबा और टेनसेंट के शेयरों में 8: से अधिक की गिरावट आई।

पेट्रोल और डीजल पर सरकार ने बढ़ाई एक्साइज ड्यूटी, नोटिफिकेशन जारी, जनता पर नहीं पड़ेगा अतिरिक्त बोझ

राजस्व विभाग की अधिसूचना के अनुसार, केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल दोनों पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। अधिसूचना में कहा गया है कि संशोधित उत्पाद शुल्क 8 अप्रैल, 2025 से लागू होगा। आदेश के अनुसार पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर 13 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, "पीएसयू तेल विपणन कंपनियों ने सूचित किया है कि आज उत्पाद शुल्क दरों में की गई वृद्धि के बाद पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी।" आदेश में कहा गया है कि केंद्र सरकार द्वारा जनहित में केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 5ए और वित्त अधिनियम, 2002 की धारा 147 के तहत बढ़ा हुआ शुल्क लगाया गया है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई उत्पादों के आयात पर अभूतपूर्व टैरिफ की घोषणा के बाद दुनिया भर के बाजारों में उथल–पुथल मची हुई है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने सूचित किया है कि आज उत्पाद शुल्क दरों में की गई वृद्धि के बाद पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी।

चैंपियंस ट्रॉफी से मुझे क्यों ड्रॉप किया गया..., गुजरात को जीत दिलाने के बाद सिराज ने तोड़ी चुप्पी

हैदराबाद। आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस को सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत दिलाने के बाद मोहम्मद सिराज ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि वह यह बात नहीं पचा पा रहे थे कि उन्हें चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम से कैसे ड्रॉप कर दिया गया। सिराज चौंपियंस ट्रॉफी में विजेता रही टीम में नहीं चुने गए थे। उन्हें स्टैंडबाय में रखा गया था। हालांकि, अब आईपीएल में उन्होंने अपने प्रदर्शन से आलोचकों को जवाब दिया है और साथ ही चयनकर्ताओं को दिखाया है कि उनमें काफी जान बाकी है। सिराज अभी तक आईपीएल 2025 में नौ विकेट ले चुके हैं और लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं।

अपनी फिटनेस पर काम किया

हैदराबाद के खिलाफ रविवार को सिराज ने 17 रन देकर चार विकेट झटके और इसकी बदौलत गुजरात ने एसआरएच को 152 रन पर रोक दिया। फिर जीटी ने 17वें ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। सिराज को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। मैच के बाद उन्होंने कहा, श्एक समय तो मैं इसे पचा नहीं पा रहा था कि चौंपियंस ट्रॉफी के लिए मैं कैसे नहीं चुना गया, लेकिन मैंने अपना उत्साह बनाए रखा और अपनी फिटनेस और खेल पर काम किया।

आईपीएल का इंतजार कर रहा था

सिराज ने कहा, मैं जो भी गलतियां कर रहा था, मैंने उन पर काम किया और मैं अपनी गेंदबाजी का आनंद ले रहा हूं। एक पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर जब आप लगातार भारतीय टीम के साथ होते हैं तो आपके मन में संदेह पैदा होता है कि आप बाहर कैसे हुए, लेकिन मैंने खुद को खुश रखा और आईपीएल का इंतजार कर रहा था। जब आप जो करने की कोशिश कर रहे हैं उसे अंजाम देते हैं, तो आप शीर्ष पर बने रहते हैं। जब आप गेंद को अंदर और बाहर दोनों तरफ घुमाते हैं और यह सहज रूप से काम करता है, तो यह आपको एक अलग एहसास देता है।

सिराज इस बात से खुश थे कि वह अपने माता–पिता की मौजूदगी में इतना अच्छा प्रदर्शन कर पाए। उन्होंने कहा, जब आप अपने घरेलू मैदान पर आते हैं, तो यह एक खास एहसास होता है। मेरा परिवार भी यहां मौजूद था और इससे मेरा हौसला बढ़ा। मैंने आरसीबी के लिए सात साल खेला है। मैंने अपनी गेंदबाजी और अपनी मानसिकता पर कड़ी मेहनत की है। यह मेरे लिए वाकई अच्छा काम कर रहा है। मैच की बात करें तो गुजरात के गेंदबाजों ने पहले बल्लेबाजी कर रही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को 20 ओवर में आठ विकेट पर 152 रन ही बनाने दिया। सिराज के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और साई किशोर ने दो–दो विकेट लिए। हैदराबाद की ओर से नीतीश रेड्डी ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए, जबकि हेनरिक क्लासेन ने 27 रन की पारी खेली। कप्तान कमिंस ने नौ गेंद में नाबाद 22 रन बनाए। जवाब में कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 61 रन) के अर्धशतक और वाशिंगटन सुंदर (49 रन) के साथ उनकी तीसरे विकेट के लिए 56 गेंद में 90 रन की साझेदारी की बदौलत गुजरात ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की। गिल और शेरफाने रदरफोर्ड (नाबाद 35 रन, 16 गेंद, छह चौके, एक छक्का) के बीच चौथे विकेट के लिए 21 गेंद में 47 रन की अटूट साझेदारी हुई। गुजरात ने 16.4 ओवर में तीन विकेट पर 153 रन बनाकर जीत हासिल की। यह सनराइजर्स हैदराबाद की लगातार चौथी हार रही।

लय हासिल करने उतरेंगी मुंबई और बेंगलुरु की टीमें, रोहित–कोहली और बुमराह पर रहेंगी नजरें

मुंबई। आईपीएल 2025 का 20वां मुकाबला मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच सोमवार को खेला जाएगा। वानखेड़े में खेले जाने वाले इस मैच में मुंबई के सामने आरसीबी के गेंदबाजों की चुनौती होगी। दोनों टीमें जीत की पटरी पर लौटना चाहेंगी। पांच बार के चौंपियन मुंबई को अभी तक चार मैच में से तीन में पराजय का सामना करना पड़ा है। उसके बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं तथा अभी तक उसकी तरफ से सूर्यकुमार यादव और रेयान रिकेल्टन ही अर्धशतक लगा पाए हैं। यह आईपीएल में प्रति बल्लेबाज अर्धशतक लगाने के मामले में सबसे कम है। मुंबई के बल्लेबाजी में संघर्ष के केंद्र में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हैं जो अभी तक कुछ खास योगदान नहीं दे पाए हैं। रोहित घुटने में चोट के कारण लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। उनके अलावा मध्यक्रम से बल्लेबाज तिलक वर्मा अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए हैं। यह देखना होगा कि रोहित आरसीबी के खिलाफ मैच के लिए फिट हो पाते हैं या नहीं लेकिन मुंबई को जल्द से जल्द अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। मुंबई की बल्लेबाजी अभी तक सूर्यकुमार पर निर्भर रही है जिन्होंने चार मैच में 177 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार ने लखनऊ के खिलाफ अर्धशतक जमा कर अपनी टीम की उम्मीद जगा दी थी लेकिन तिलक वर्मा तेजी से रन नहीं बना पाए जिससे मुंबई को हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ कप्तान हार्दिक पांड्या के पांच विकेट के बावजूद मुंबई के गेंदबाज रन प्रवाह नहीं रोक पाए थे और इसके बाद उसके बल्लेबाज लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रहे।

बुमराह की वापसी

मुंबई इंडियंस के लिए यह अच्छी खबर है कि उसे प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले टीम से जुड़ गए हैं और इस मैच में खेलते नजर आएंगे। मुंबई ने अभी तक अपनी एकमात्र जीत कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ वानखेड़े में हासिल की थी और उसके खिलाड़ी इस मैच से प्रेरणा लेने की कोशिश करेंगे।

विराट से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

जहां तक आरसीबी का सवाल है तो उसकी टीम मुंबई की बल्लेबाजी की कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। टीम को अपने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो केकेआर के खिलाफ 59 रन बनाने के बाद अपेक्षित योगदान नहीं दे पाए हैं। आरसीबी के पास बड़ा स्कोर बनाने के लिए कुशल बल्लेबाज हैं।

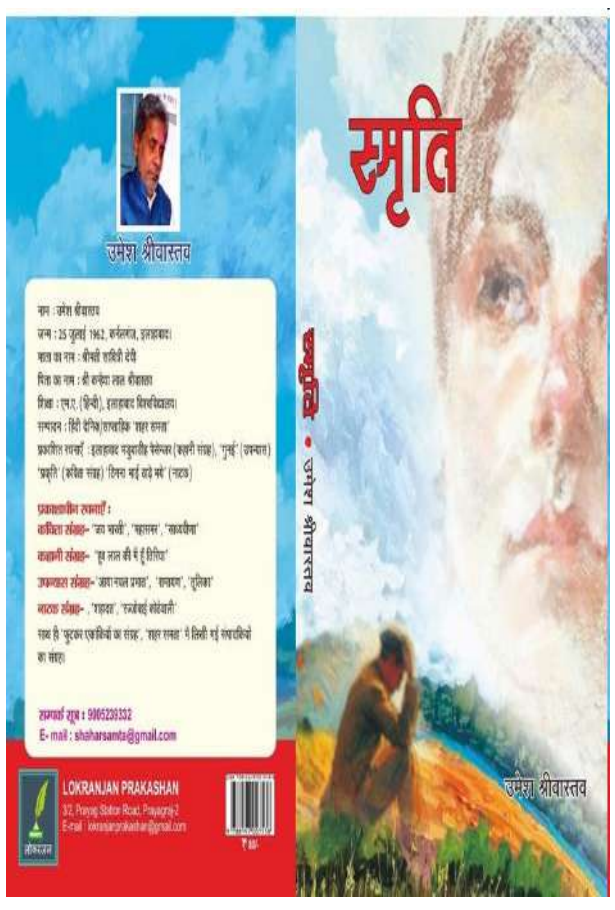

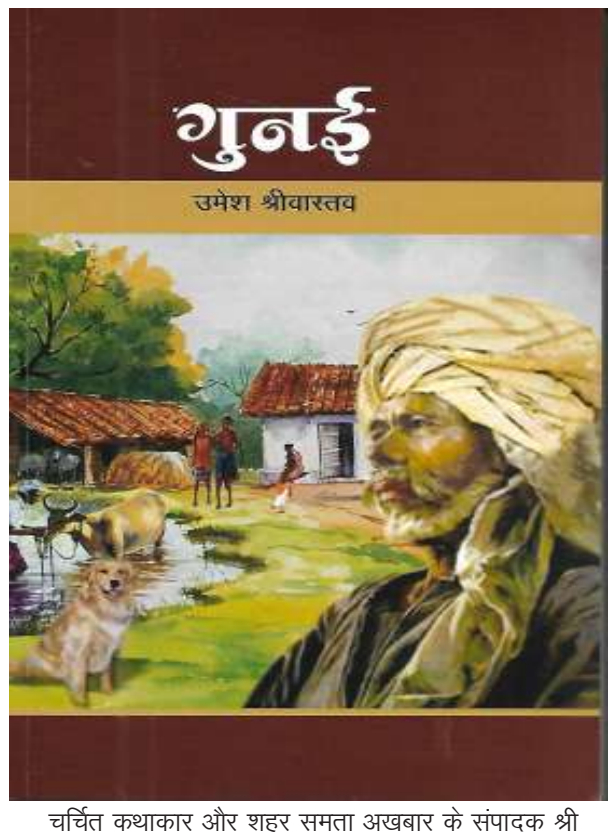

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

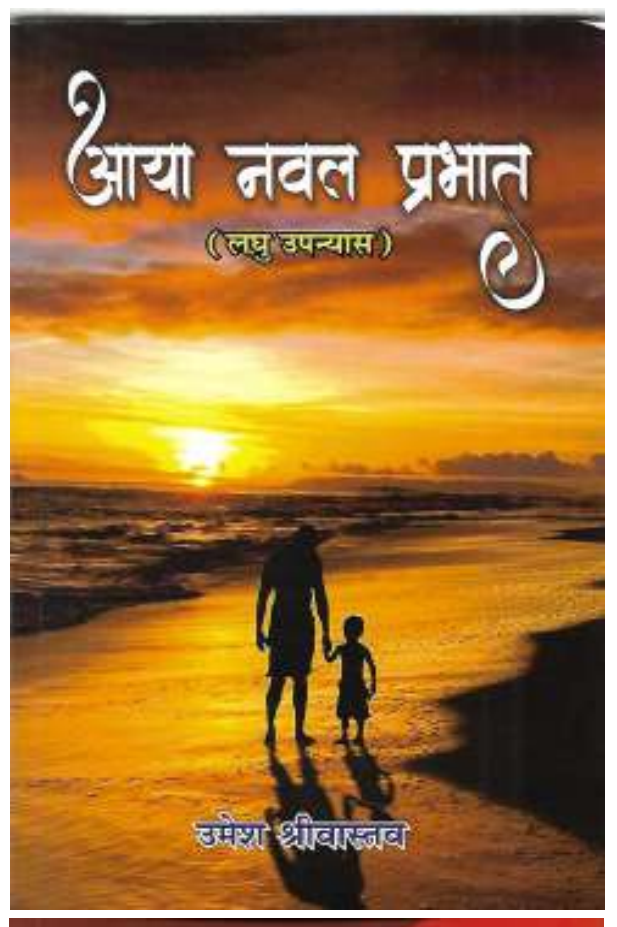

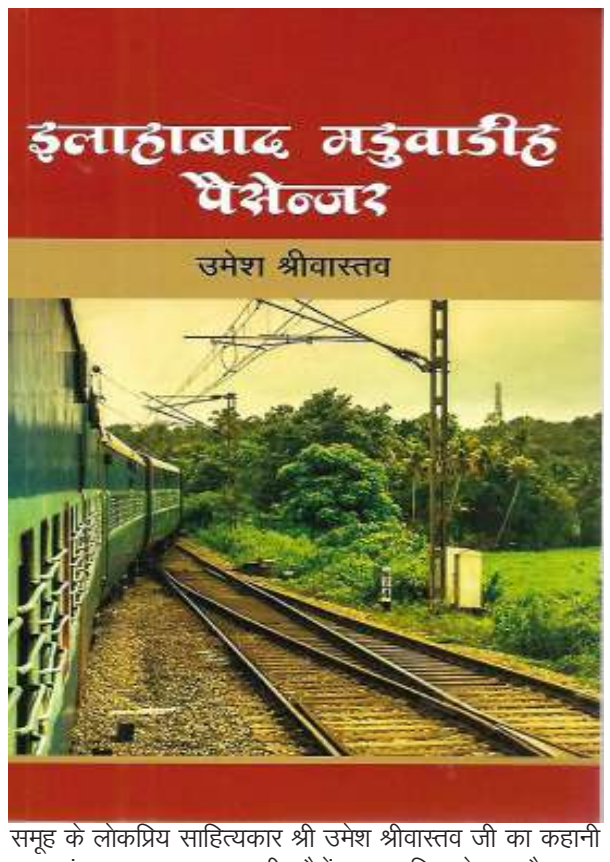

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

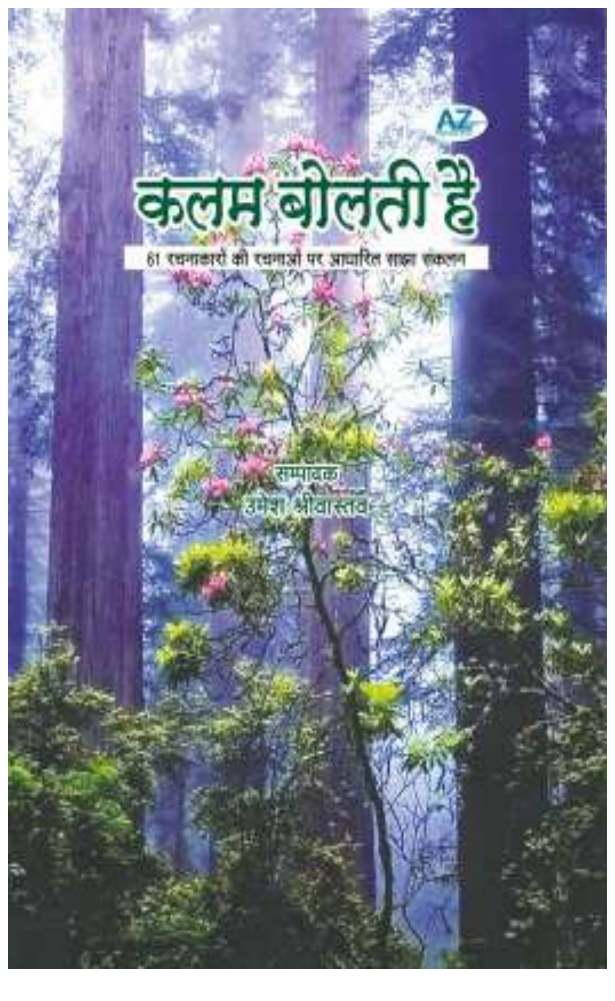

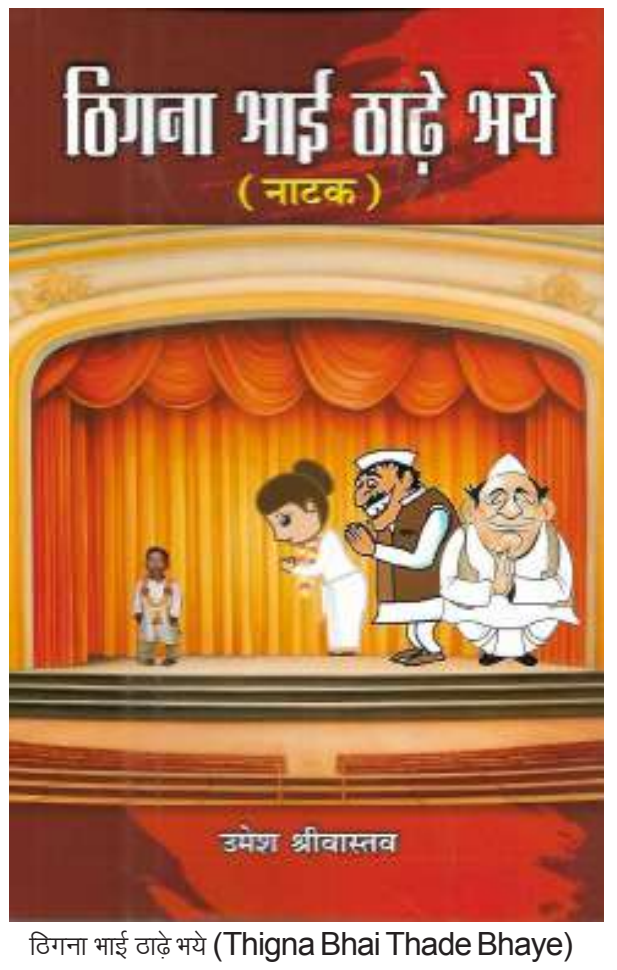

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

अमेरिका पर जवाबी टैरिफ नहीं लगाएगा ताइवान, राष्ट्रपति बोले- पांच सूत्रीय रणनीति पर करेंगे काम

ताइपे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ के विरोध में तमाम देश जवाबी टैरिफ लगा रहे हैं। लेकिन ताइवान ने ऐसा कुछ नहीं करने वाला है। ताइवान ने कहा कि हम अमेरिका की ओर से लगाए गए 32 फीसदी टैरिफ के जवाब में पांच सूत्रीय रणनीति पर काम करेंगे। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग–ते ने कहा कि हम अमेरिका पर जवाबी टैरिफ नहीं लगाएंगे। राष्ट्रपति लाई चिंग ते ने कहा कि पांच सूत्रीय कार्यक्रम के तहत हमारी पहली रणनीति बातचीत के माध्यम से पारस्परिक टैरिफ दरों में सुधार के लिए हर संभव प्रयास करने की है। दूसरी रणनीति प्रभावित घरेलू उद्योगों के लिए सहायता योजना अपनाना, तीसरी रणनीति मध्यम और दीर्घकालिक आर्थिक विकास योजनाएं अपनाना, चौथी रणनीति नई ताइवान प्लस अमेरिका योजना बनाना और पांचवी रणनीति में औद्योगिक दौरे शुरू करना है। राष्ट्रपति लाई ने कहा कि सरकार और नागरिक समाज ताइवान की अर्थव्यवस्था के लिए व्यापक रास्ता खोलने के लिए कार्यकारी युआन द्वारा उठाए जाने वाले कदमों का समर्थन करने के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि टैरिफ का बड़ा प्रभाव पड़ेगा। ताइवान एक निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था है। इसलिए देश खतरे को सुरक्षा में बदलने के लिए सावधानीपूर्वक आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि पिछले साल ताइवान का अमेरिका को निर्यात 111.4 अरब अमेरिकी डॉलर का था, जो कुल निर्यात मूल्य का 23.4 प्रतिशत था। जबकि दुनिया भर में बेचे जाने वाले उत्पादों का 75 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अमेरिका के अलावा अन्य देशों को बेचा गया। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका को बेचे जाने वाले उत्पादों में आईसीटी उत्पादों और इलेक्ट्रॉनिक घटकों का हिस्सा 65.4 प्रतिशत था। इससे पता चलता है कि ताइवान की अर्थव्यवस्था में अभी भी काफी लचीलापन है। जब तक हमारी प्रतिक्रिया रणनीति उचित हैं और सार्वजनिक व निजी क्षेत्र मिलकर काम करते हैं, तो हम प्रभावों को कम कर सकते हैं। इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है।

ये हैं पांच रणनीतियां

राष्ट्रपति लाई चिंग ते ने कहा कि ताइवान की जवाबी टैरिफ अपनाने की कोई योजना नहीं है। पांच सूत्री रणनीति की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि पहली रणनीति पांच तरीकों का उपयोग करते हुए वार्ता के माध्यम से पारस्परिक टैरिफ दरों में सुधार करने का प्रयास करने के बारे में है। दूसरी डंप किए गए माल के अवैध ट्रांसशिपमेंट से संबंधित है। इससे प्रभावित उद्योगों को समय पर और आवश्यक समर्थन और सहायता मिलेगी। तीसरी रणनीति में राष्ट्रपति ने मध्यम और दीर्घकालिक आर्थिक विकास योजनाओं को अपनाने की बात कही। इसके तहत सरकार मित्रों और सहयोगियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करेगी। अलग–अलग बाजारों का विकास करेगी। उन्होंने ताइवान को एआई द्वीप बनाने और खाद्य, कपड़े, आवास और परिवहन के साथ–साथ सैन्य, सुरक्षा और निगरानी, अगली पीढ़ी के संचार और चिकित्सा और स्वास्थ्य और कल्याण उद्योगों के लिए मौजूदा प्रयोगों को बढ़ावा देने की बात कही। रणनीति चार के तहत राष्ट्रपति ने ताइवान प्लस अमेरिका व्यवस्था पर जोर दिया। इसके तहत सरकार निवेश को प्रोत्साहित करेगी, विनियमन को लागू करेगी। रणनीति पांच में उद्योग की सुनवाई यात्राएं शुरू करना शामिल है। राष्ट्रपति ने कहा कि ताइवान की अर्थव्यवस्था पहले से कहीं अधिक मजबूत और लचीली होकर उभरी है।

संक्षिप्त

सऊदी अरब पर टूट पड़े भारत के मुसलमान, काली पट्टी बांधकर विरोध, दुनिया हैरान!

सुन्नी इस्लाम के सबसे बड़े प्रतीक सऊदी अरब के खिलाफ भारत शिया मुस्लिमों का गुस्सा भड़क उठा है। लखनऊ में सऊदी के खिलाफ देशभर के शिया मुसलमान विरोध का नारा बुलंद करेंगे। भारत में सऊदी बनाम शिया के पीछे की कहानी क्या है, आपको बता देते हैं। इस सवाल का जवाब सऊदी अरब में 100 साल पहले हुए एक वाक्य से जुड़ा है। सऊदी अरब में इस्लाम को मानने वालों के लिए दो सबसे पाक और मुकद्दस जगह मक्का व मदीना मौजूद है। सऊदी सुन्नी इस्लाम के ज्यादातर फिरकों का मरकस है। फिर वो चाहे हनफ़ी हो या अहल–ए–हदीस, वहाबी हो या शाल्फ़ी, लेकिन

शिया पंथ से सुन्नी फिरके की खुन्नस इस्लाम के शुरुआती दौर से है। तो क्या लखनऊ में होने वाले शिया के विरोध प्रदर्शन की वजह यही है। दरअसल, 1925 में सऊदी किंग आले सऊद ने मदीना में मौजूद जन्नतुल बकी कब्रिस्तान तुड़वा दिया था। इस कब्रिस्तान में रसूल–ए–इस्लाम की बेटी और दूसरे इमामों की कब्रें हैं। शिया समुदाय सऊदी अरब में तुड़वाए गए मजारों को दोबारा बनाने की मांग करता रहा है और इसके लिए हर साल शिया मुसलमान सऊदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं। शिया धर्मगुरु मौलाना यासूब अब्बास ने बताया कि सऊदी अरब के मदीना में इस्लाम विरोधी कार्य किया गया। पैगम्बर मोहम्मद साहब की बेटी और चार इमामों की मजार को 100 वर्ष पूर्व सऊदी हुकूमत ने ध्वस्त कर दिया था। जिसको लेकर शिया समुदाय में नाराजगी है। इसके निर्माण के लिए हर साल पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किए जाते हैं। प्रदर्शन के माध्यम से ये मांग की जाती है कि भारत सरकार सऊदी हुकूमत पर दबाव बनाकर जन्नत उल बकी कब्रिस्तान का पुनः निर्माण करवाये। मौलाना यासूब ने कहा कि प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। यूपी समेत विभिन्न रज्यों से शिया धर्म गुरु, विभिन्न धार्मिक संगठन , शायर और अन्य लोग हिस्सा लेंगे। मौलाना ने अपील किया है कि सभी लोग काले वस्त्र पहनकर आए । या फिर दाहिने बाजू पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन में हिस्सा लें।

कीव पर रूसी हमले में एक की मौत, पहले हुए मिसाइल हमले में मरने वालों की संख्या 20 हुई

यूक्रेन की राजधानी कीव पर रविवार को रूसी हवाई हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि मध्य यूक्रेनी शहर क्रीवी रीह पर शुक्रवार को हुए हमले में मरने वालों की संख्या में वृद्धि जारी है। मेयर विताली क्लित्स्को ने बताया कि कीव के डार्नित्स्की जिले में हमले के केंद्र के पास व्यक्ति का शव मिला। हमले में तीन लोग घायल हो गए तथा कई गैर–आवासीय क्षेत्रों में आग लग गई और कारों और इमारतों को नुकसान पहुंचा है। सोशल मीडिया पर दिए गए एक बयान में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि रूस के बढ़ते हमले दर्शाते हैं कि मॉस्को पर अब भी पर्याप्त अंतरराष्ट्रीय दबाव नहीं है। उन्होंने कहा कि रूस ने पिछले सप्ताह ही यूक्रेन पर 1,460 से अधिक गाइडेड हवाई बम, लगभग 670 हमलावर ड्रोन और 30 से अधिक मिसाइलें दागी हैं। जेलेंस्की ने कहा, "ये हमले सभी अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक कोशिशों को (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन का जवाब है। हमारे हर साथी – अमेरिका, पूरा यूरोप, पूरी दुनिया – ने देखा है कि रूस युद्ध और हत्या जारी रखने का इरादा रखता है। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि क्रिवी री पर शुक्रवार को हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं और 75 अन्य घायल हुए हैं।

गाजा में इजराइली हमले में 32 लोग मारे गए, मृतकों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं

गाजा पट्टी पर इजराइली हमलों में एक दर्जन से अधिक महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 32 लोग मारे गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू युद्ध के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भेंटवार्ता करने के लिए अमेरिका गये हैं। इजराइल ने पिछले महीने हमास के साथ युद्ध विराम समाप्त कर दिया था तथा हवाई और जमीनी हमले पुनः शुरू कर दिए थे। उसने ताबड़तोड़ हमला करते हुए क्षेत्रों पर कब्जा किया था ताकि उग्रवादी संगठन पर नए युद्ध विराम समझौते को स्वीकार करने तथा शेष बंधकों की रिहाई के लिए दबाव बनाया जा सके। रविवार रात को किए गए नवीनतम इजराइली हमलों में दक्षिणी शहर खान यूनिस में एक तम्बू और एक घर को निशाना बनाया गया, जिसमें पांच पुरुष, पांच महिलाएं और पांच बच्चे मारे गए। नासेर अस्पताल ने यह जानकारी दी जहां ये शव लाये गये थे। मारे गए लोगों में एक महिला पत्रकार भी शामिल है। जान गंवाने वाली पत्रकार की मां अमल कास्कीन ने कहा, "मेरी बेटी निर्दोष है। उसका इसमें कोई हाथ नहीं था, वह पत्रकारिता से प्यार करती थी और उसे बहुत पसंद करती थी।"

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

नहीं सुधर रहा बांग्लादेश, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद क्या झूठ फैलाने लगे यूनुस!

थाइलैंड में आयोजित बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस की मुलाकात हुई थी। इस बैठक में पीएम मोदी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों विशेष रूप से हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर भारत की गहरी चिंता व्यक्त की थी। इसके अलावा शेख हसीना के बांग्लादेश में प्रत्यर्पण का मुद्दा उठाया था। लेकिन जैसा की बांग्लादेश की अंतरिम सरकार रोजाना कोई न कोई विवाद खड़ा करती है तो इस मुलाकात के बाद भी ऐसा की कुछ देखने को मिला। यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुर्रआलम ने एक पोस्ट लिखकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। शीफुर्रआलम ने फेसबुक पोस्ट में दावा किया कि बैंकॉक में हुई बैठक में मोहम्मद युनूस ने पीएम मोदी से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की थी और मोदी का जवाब नकारात्मक नहीं था। शफीकुर्रआलम ने लिखा कि दो दिवसीय बैठक के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के प्रति बहुत सम्मना दिखाया। उन्होंने उनकी काम की बहुत प्रशंसा की। बैठक में उन्होंने जो बातें कहीं उनमें से एक ये थी कि भारत के शेख हसीना के साथ अच्छे संबंध होने के बावजूद हमें आपके प्रति उनका अपमानजनक व्यवहार देखा। लेकिन हम आपका आदर और सम्मान करते हैं। जब प्रोफेसर यूनुस ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा उठाया तो प्रतिक्रिया नकारात्मक नहीं थी। हमें विश्वास है कि एक दिन हसीना को ढाका प्रत्यर्पण किया जाएगा और हम सभी सबसे बड़े मुकदमे को देखेंगे। साथ ही ये भी साफ था कि भारत बांग्लादेश के संबंधों में एक नया रास्ता बनाना चाहता है। भारतीय प्रधानमंत्री ने मोहम्मद यूनुस से बैठ के दौरान कई बार कहा कि भारत के संबंध बांग्लादेश के लोगों के साथ हैं, किसी एक पार्टी या व्यक्ति के साथ नहीं। जैसा कि प्रोफेसर यूनुस ने हाल के महीनों में कई बार कहा है कि हम भारत के साथ सबसे अच्छे संबंध चाहते हैं। लेकिन ये निष्पक्षता, समानता और आपसी सम्मान पर आधारित होना चाहिए। हालांकि इस पोस्ट के बाद भारतीय सूत्रों ने इसे बेबुनियाद बताया है। कहा है कि इस तरह के आरोप बांग्लादेश के अंतरिम सरकार की गंभीरता और अच्छे इरादे पर सवाल उठाती है। नई दिल्ली ने अब तक बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर पिछले साल शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए की गई मांग का जवाब नहीं दिया है। हसीना ने 5 अगस्त 2024 को ढाका में बड़े विरोध प्रदर्शनों के बीच भारत में शरण ली थी और तभी से दिल्ली में रह रही हैं।

चीन, यूरोप के साथ व्यापार घाटा से निपटने का यही तरीका है, ट्रंप ने टैरिफ लगाने के फैसले का किया बचाव

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों पर भारी–भरकम टैरिफ लगाए जाने के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी आने की आशंका है। साथ ही अमेरिका में भी इससे महंगाई बढ़ने की बात कही जा रही है। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने फैसले का बचाव किया है और कहा है कि चीन और यूरोपीय संघ के साथ अमेरिका का जो व्यापार घाटा है, वो टैरिफ लगाने से ही सही हो सकता है।

ट्रंप बोले– टैरिफ बहुत अच्छी चीज है

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा

कि श्हमारा चीन और यूरोपीय संघ के साथ बहुत ज्यादा व्यापार घाटा है और इस समस्या को हल करने का सिर्फ एक ही तरीका है और वो है टैरिफ। इसकी वजह से अमेरिका को अरबों डॉलर मिलेंगे और वे लागू हो चुके हैं। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर निशाना साधते हुए ट्रंप ने कहा कि थके हुए जो बाइडन के राष्ट्रपति कार्यकाल में इन देशों के साथ व्यापार घाटा बढ़ा है। अब हम इसे बदलने जा रहे हैं और तेजी से इसमें बदलाव करेंगे। एक दिन लोगों को अहसास होगा कि अमेरिका के लिए टैरिफ बहुत अच्छी चीज हैं।

अमेरिका के ट्रेड रिप्रजेंटेटिव्स के आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में अमेरिका और चीन का द्विपक्षीय व्यापार 582 अरब डॉलर रहा। इनमें से अमेरिका ने चीन को 143 अरब डॉलर का निर्यात किया। वहीं चीन से 438 अरब डॉलर का सामान आयात किया। इस तरह अमेरिका को चीन के साथ व्यापार में 295 अरब डॉलर का घाटा हुआ। इसी तरह यूरोपीय संघ के साथ अमेरिका का साल 2024 में कुल व्यापार 975 अरब डॉलर था। इनमें से अमेरिका ने यूरोपीय संघ को 370 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया। वहीं यूरोपीय संघ ने अमेरिका को 605 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया। इस तरह अमेरिका को यूरोपीय संघ के साथ व्यापार में कुल 235 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

चीजों को सही करने के लिए दवाई देनी पड़ती है, विरोध के बावजूद ट्रंप का पीछे हटने से इनकार

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने टैरिफ लगाने के फैसले को वापस लेने से साफ मना कर दिया है। गौरतलब है कि ट्रंप के टैरिफ लगाने के बाद दुनियाभर के बाजारों में अस्थिरता का माहौल है और देश में भी उनका विरोध शुरू हो गया है। हालांकि ट्रंप ने अपने फैसले से पीछे हटने से मना कर दिया है और कहा है कि कभी कभी चीजों को सही करने के लिए दवाई देने की जरूरत पड़ती है।

कई देश हमारे साथ समझौता करना चाहते हैं

अपने आधिकारिक विमान एयरफोर्स वन में मीडिया के साथ बातचीत में ट्रंप ने कहा कि श्वह नहीं चाहते कि दुनियाभर के बाजारों में गिरावट आए, लेकिन मैं इसे लेकर चिंतित नहीं हूं। कई बार आपको चीजों को सही करने के लिए दवाई लेनी पड़ती है।श वहीं ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि टैरिफ लगाने का असर दिखने लगा है और 50 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधियों ने बातचीत की इच्छा जाहिर की है। ट्रंप ने कहा कि श्मैंने यूरोपीय, एशियाई, पूरी दुनिया के कई नेताओं से बात की है, वे हमारे साथ समझौता करना चाहते हैं, लेकिन अब हम व्यापार घाटा नहीं सहेंगे और हमने ये बात उन्हें साफ बता दी है।

पूरी दुनिया के बाजारों में अस्थिरता का माहौल

ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए टैरिफ 9 अप्रैल से लागू हो जाएंगे। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि टैरिफ लागू होने के साथ ही नए आर्थिक युग की भी शुरुआत हो सकती है। अमेरिका की वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि गलत तरीके से व्यापार करना सही नहीं है और हम देखेंगे कि विभिन्न देश में हमें क्या ऑफर करते हैं, उसके बाद हम आगे का फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि कोई मंदी नहीं आएगी। बाजार एक दो दिन टैरिफ को लेकर प्रतिक्रिया देगा, लेकिन हमारी कोशिश है कि हम लंबे समय के लिए आर्थिक संबंध बनाएं। ट्रंप भी टैरिफ के मुद्दे पर हो रहे विरोध को लेकर सचेत हैं। रविवार को सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि श्हमारी जीत होगा, लेकिन तब तक हिम्मत बनाए रखें। ये आसान बिल्कुल नहीं होगा।श ट्रंप ने अपनी कैबिनेट के मंत्रियों को अधिकारियों को भी निर्देश दिया है कि वे टैरिफ लगाने के सरकार के फैसले का बचाव करें और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ने के दावे को खारिज करें। ट्रंप ने अमेरिका के सहयोगी देशों पर भी टैरिफ लगाए हैं, जिनमें इस्राइल पर भी 17 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। सोमवार को इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू, व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि गाजा युद्ध के अलावा टैरिफ को लेकर भी दोनों देशों के बीच बातचीत हो सकती है। वियतनाम पर भी ट्रंप ने भारी भरकम टैरिफ लगाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब वियतनाम की सरकार ने भी अपने टैरिफ घटाने की बात करते हुए अमेरिका के साथ बातचीत की पेशकश की है। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने अमेरिका के टैरिफ पर नाराजगी जताई, लेकिन कहा है कि वह इस मुद्दे पर अमेरिकी सरकार से बातचीत के लिए तैयार हैं।

अमेरिका पर टूटा प्रकृति का कहर, कई दिनों की बारिश से बाढ़ का खतरा, तूफान में हो चुकी है 18 लोगों की मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका के दक्षिणी और मध्य पश्चिमी इलाके पहले से ही बाढ़ से जूझ रहे हैं। अब कई दिनों से हो रही भारी बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है और इससे बाढ़ की स्थिति और खराब हो गई है। इससे उन समुदायों पर खतरा बढ़ गया है, जो पहले से ही भारी बारिश और आंधी के कारण परेशान है। बता दें कि तूफान और बारिश से अमेरिका के दक्षिणी और मध्य पश्चिमी इलाकों में कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है। अर्कांसस, टेनेसी और केंटकी सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाके हैं और यहां लोगों के घरों में पानी घुस गया है और सड़कें जलमग्न हो गई हैं। केंटकी के फ्रैंकफर्ट में सड़कों पर नाव चलती दिखाई दी। केंटकी नदी का जलस्तर खतरनाक स्तर तक बढ़ गया है। रविवार को नदी का जलस्तर 47 फीट तक बढ़ गया। फ्रैंकफर्ट शहर के मेयर ने बताया कि शहर की दीवार 51 फीट तक ऊंची बाढ़ का सामना करने के लिए डिजाइन की गई है। अलबामा, जॉर्जिया और फ्लोरिडा में रविवार को पूरे दिन बारिश और तूफान की चेतावनी जारी की गई है। इससे लोगों में डर का माहौल है। बुधवार से शुरू हुए तूफान और बारिश में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 10 लोगों की मौत टेनेसी में हुई है। मिसौरी में एक स्वयंसेवी फायर फाइटर की भी एक दुर्घटना में मौत हो गई। केंटकी में पांच लोगों की जान गई है।

जापान में हादसा, समुद्र में मेडिकल हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त; तीन की मौत

टोक्यो। जापान के दक्षिण–पश्चिमी इलाके में एक मेडिकल ट्रांसपोर्ट हेलीकॉप्टर समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में मरीज और दो अन्य लोगों की मौत हो गई। जापान के तट रक्षक की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हादसे के बाद तीन लोगों की जान बचाने में

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।